केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 109 मंगलवार 12 नवम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

मणिपुर में 11 उपद्रवी मुठभेड़ में ढेर

इम्फाल (आभा)। मणिपुर से एक बार फिर हिंसा की खबर आई। जिरीबाम जिले में सुरक्षाबलों और कुकी उग्रवादियों के बीच मुठभेड़ हो गई, जिससे इलाके में तनाव फैल गया। सुरक्षा बलों ने कम से कम 11 कुकी उग्रवादियों को ढेर कर दिया। वहीं, उग्रवादियों के हमले में एक जवान भी घायल हुआ है। इलाके में तनाव को देखते हुए चप्पे–चप्पे पर सुरक्षाबलों की मुस्तैदी बढ़ा दी है।

जानकारी के अनुसार, पहले उग्रवादियों ने सीआरपीएफ कैंप पर हमला कर दिया था। जिसके बाद दोनों ओर से मुठभेड़ शुरू हो गई। अचानक हुए इस हमले में एक जवान भी घायल हुआ है। जवान को एयरलिफ्ट कर अस्पताल ले जाया गया है। वहीं, सीआरपीएफ जवानों ने 11 कुकी उग्रवादियों को मार गिराया।

इससे पहले सोमवार सुबह मणिपुर के इंफाल पूर्व जिले में उग्रवादियों की गोलीबारी में खेत में काम कर रहा एक किसान घायल हो गया था। जातीय हिंसा में झुलस रहे मणिपुर की इंफाल घाटी में किसानों पर पहाड़ी इलाकों के उग्रवादियों द्वारा लगातार तीसरे दिन हमला किया गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि हमलों के कारण घाटी के बाहरी इलाकों में रहने वाले कई किसान खेतों में जाने से डर रहे हैं और इससे धान की फसल की कटाई प्रभावित हो रही है।बता दें कि पिछले साल मई महीने में इम्फाल घाटी में मैतेई और पहाड़ी इलाकों में रहने वाले कुकी समुदाय के लोगों के बीच जातीय हिंसा भड़क गई थी। इस हिंसा और आगजनी में 200 से अधिक लोग मारे गए थे और हजारों लोग बेघर हो गए थे।

प्रयागराज लाठीचार्ज पर अखिलेश यादव ने दिया चेतावनी

लखनऊ (आभा)। प्रयागराज में पीसीएस परीक्षा को लेकर सोमवार को प्रदर्शन कर रहे युवाओं पर लाठीचार्ज को लेकर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। यूपी की योगी सरकार और अधिकारियों को चेतावनी देते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि लाठीचार्ज पर कहा कि याद रखना जैसे सेवा कर रहे हो वैसी ही सेवा आपको मिलेगी। कहा कि यह सरकार हर किसी को लाठी मारकर दबाना चाहती है। इनके पास अधिकारियों के अलावा कोई नहीं है, इसलिए लाठी चला रहे हैं। अखिलेश ने यहां तक कहा कि जो भी अधिकारी गड़बड़ी कर रहे हैं, उन्हें जेल भेजेंगे।

अखिलेश ने मुरादाबाद की कुंदरकी में आयोजित चुनावी सभा में कहा कि यह लोग उपचुनाव में ताकत केवल इसलिए लगा रहे हैं कि इनकी कुर्सी न चली जाए। ये युवाओं को नौकरी दे नहीं पा रहे हैं। इनके एजेंडा में नौकरी नहीं है।

एक नजर

डीएम ने किया सहकारी समिति का निरीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने कप्तानगंज स्थित बहुद्देशीय ग्रामीण सहकारी समिति तथा राजकीय धान क्रय केन्द्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण में उन्होने पाया कि खाद विक्रय का कार्य प्रारम्भ है। विक्रय पंजिका में अधिकतम 5 बोरी एवं क्रेताओं का विवरण दर्ज पाया गया। विक्रय पंजिका का पीओएस मशीन से मिलान करवाया गया। साथ ही आनलाईन प्रदर्शित स्टॅाक का गोदाम से मिलान करवाया गया। दोनों सही पाए गए। स्थल पर उपस्थित कृषकों द्वारा केंद्र की प्रशंसा की गई।

उन्होने राजकीय धान क्रय केन्द्र के निरीक्षण में पाया कि अभी क्रय प्रारम्भ नहीं हुआ है। पंजिका में 8 कृषकों द्वारा सम्पर्क किया जाना दर्ज है। अधिकांश ने धान सूखने हेतु रखे जाने की बात बताई है। केंद्र अभी पूरी तरह से व्यवस्थित नहीं है एवं जिससे गोदाम किराये पर लिया गया है, उसका सामान भी वहां इधर–उधर पड़ा हुआ है। इस स्थिति पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारी को निर्देश दिया कि दो दिवस में केंद्र को व्यवस्थित करें।

मैराथन के लिये पंजीकरण शुरू

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। 17 नवम्बर को आयोजित होने वाली 13वीं बस्ती मैराथन दौड़ के लिए अमर शहीद सत्यवान सिंह स्टेडियम में पंजीकरण प्रक्रिया का शुभारंभ हुआ। पंजीकरण के पहले दिन मान्या कसौधन, समृद्धि मिश्रा, नंदिनी चौधरी, अभिषेक, लक्ष्मी, विकास राय, और अमृता सहित कई प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक अपना पंजीकरण कराया। पंजीकरण की यह प्रक्रिया 16 नवम्बर तक स्टेडियम में चलेगी, और इसमें किसी भी आयु वर्ग के प्रतिभागी पंजीकरण कर सकते हैं।

एनसीसी कैडेट्स को दिया प्रशिक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । 47 यूपी बटालियन एनसीसी बस्ती का 169 में स्थित सीएटीसी मंडलीय कैंप चौधरी चरण सिंह पीजी कॉलेज पांडव नगर पदमपुर में चल रहा है इस कैंप में आज नेचुरोपैथी योग एंड स्पोर्ट्स डेवलपमेंट फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं इंडियन योग एसोसिएशन के आजीवन सदस्य प्रोफेसर डॉ नवीन सिंह ने एनसीसी कैडेट्स के बच्चों को प्राकृतिक चिकित्सा एवं एक्यूप्रेशर के रहस्य को बारे में बताते हुए कहा कि प्राकृतिक चिकित्सा का मूल पांच सिद्धांतों पर है आकाश वायु अग्नि जल पृथ्वी यह हमारे शरीर में ही है हाथ की पांच उंगलियां इन सभी तत्वों का प्रतिनिधित्व करती है।

उन्होने एक्यूप्रेशर के इमरजेंसी बिंदु के बारे में जानकारी दी और उसकी प्रशिक्षण भी दिया बेहोश ,मिर्गी आना, हिचकी आना सीने में दर्द अचानक चोट लगने के लगने के कारण बेहोश हो जाना ,ब्लीडिंग ज्यादा होना ,सर में चोट लगने पर खून को कैसे रोके ,बिच्छू डंक मारना, सांप काटना, कीटनाशक जहरीले कीड़े मकोड़े से बचाव का उपाय बताए रंग चिकित्सा और बीज, मैग्नेट थेरेपी द्वारा बहुत सारे प्वाइंट्स बतलाएं।

इसमें कैंप कमांडेंट कर्नल प्रशांत कुमार ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कप्तान राजेंद्र बौद्ध ,कैप्टन संदीप सिंह, लेफ्टिनेंट जितेंद्र कुमार सिंह शाही,लेफ्टिनेंट संदीप,लेफ्टिनेंट अरविंद ,सीटी ओ सूर्य प्रताप वर्मा, सूबेदार मेजर बीबी तमांग सहित 500 कैडेट्स उपस्थित रहे।

राहुल गांधी के खिलाफ चुनाव आयोग पहुंची भाजपा

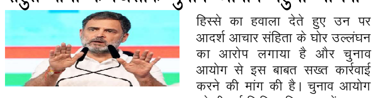

नई दिल्ली (आभा)। केंद्र की सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी ने अगले सप्ताह महाराष्ट्र में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले चुनाव आयोग का दरवाजा खटखटाया है और अपील की है कि नेता विपक्ष राहुल गांधी को चुनाव प्रचार के दौरान झूठ बोलने से रोकें और डांटें–डपटें। भाजपा ने पिछले सप्ताह मुंबई में दिए गए राहुल गांधी के भाषण के एक हिस्से का हवाला देते हुए उन पर आदर्श आचार संहिता के घोर उल्लंघन का आरोप लगाया है और चुनाव आयोग से इस बाबत सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। चुनाव आयोग को दी गई लिखित शिकायत में भाजपा ने कहा कि राहुल गांधी ने यह झूठा आरोप लगाया है कि महाराष्ट्र राज्य की परियोजनाएं छीनकर कथित रूप से दूसरे राज्यों में भेजी गई हैं। शिकायती चिट्ठी में भाजपा ने कहा है कि राहुल गांधी के ये दावे गलत और बेबुनियाद हैं कि एप्पल के आईफोन और बोइंग हवाई जहाज महाराष्ट्र की बजाय अन्य राज्यों में बनाए जा रहे हैं।

शिक्षा मित्रों के पेंशन, स्कूलों में हैण्ड पम्प को रीबोर कराये जाने की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल के नेतृत्व में सोमवार को संघ पदाधिकारियों के एक प्रतिनिधि मण्डल ने अतिरिक्त उप जिलाधिकारी रश्मि यादव के माध्यम से जिलाधिकारी को सम्बोधित ज्ञापन सौंपा। मांग किया कि 1 अप्रैल 2005 से पूर्व शिक्षा मित्र के रूप में कार्यरत समायोजित शिक्षकों का पुरानी पेंशन योजना से आच्छादित किये जाने हेतु विकल्प पत्र भरवाया जाय और परिषदीय विद्यालयों में सरकारी इण्डिया मार्का नल, हैण्ड पम्प को रीबोर कराया जाय।

ज्ञापन सौंपने के बाद संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल ने बताया कि शिक्षा मित्रों का विकल्प पत्र भरवाकर उनकी सूची सचिव बेसिक शिक्षा परिषद को पुरानी पेंशन से आच्छादित करने हेतु भेजा जाय और वरिष्ठता सूची में उनका नाम शिक्षा मित्र के रूप में नियुक्ति तिथि से वरिष्ठता सूची में शासनादेश के अनुसार शामिल किया जाय। कहा कि प्रदेश के अनेक जनपदों में शासनादेश के अनुसार शिक्षा मित्रों की सूची भेज दिया गया है किन्तु बस्ती में अभी यह कार्य अटका हुआ है। डीएम को दिये ज्ञापन में परिषदीय विद्यालयों में सरकारी इण्डिया मार्का नल, हैण्ड पम्प को रीबोर कराये जाने की मांग किया गया है। अधिकांश विद्यालयों में इण्डिया मार्का नल खराब हैं, पीला पानी आता है जिससे छात्रों के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। तत्काल प्रभाव से इसे सही कराये जाने का आग्रह किया गया है। पत्र में विकास खण्ड गौर के साथ ही अनेक स्कूलों की सूची भी उपलब्ध करायी गई है।

ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से जिला मंत्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेश कुमार, अभय सिंह यादव, राजकुमार सिंह, रजनीश मिश्र, जर्नादन शुक्ल, नवीन चौधरी, प्रदीप चौहान के साथ ही अनेक शिक्षक और संघ पदाधिकारी शामिल रहे।

शिक्षण विधियों का प्रयोग कर प्रभावी शिक्षण करें शिक्षक –संजय शुक्ल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोमवार को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में उच्च प्राथमिक विद्यालयों के गणित शिक्षकों का नवाचारी शिक्षण विधियां एवं गणित किट प्रयोग हेतु तीन दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ। प्रशिक्षण का शुभारंभ डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित करके किया। इस अवसर पर डायट प्राचार्य ने प्रशिक्षण को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमारे केंद्र बिंदु में विद्यालयों में पढ़ रहे बच्चे होते है, इसलिए हमें गणित विषय को उनकी रुचि से जोड़कर खेल–खेल में पढ़ाना चाहिए। उन्होंने शिक्षण विधियों का प्रयोग करते हुये प्रभावी शिक्षण कार्य करने हेतु शिक्षकों को निर्देशित किया। प्रशिक्षण प्रभारी व प्रवक्ता अलीउद्दीन ने कहा कि छोटे बच्चों को टीएलएम का प्रयोग करके गणित बहुत आसानी से पढ़ाया जा सकता है तथा परिषदीय विद्यालयों अध्ययनरत बच्चों में गणित की अवधारणाओं को विकसित करने में रिमीडियल टीचिंग का भी बहुत महत्वपूर्ण स्थान है। प्रशिक्षण के सन्दर्भदाता हरेंद्र यादव, बालमुकुन्द, अनूप सिंह और अमरेन्द्र चौधरी के द्वारा गणित की नवाचारी शिक्षण विधियां, शिक्षण विधियों की आवश्यकता एवं महत्व, गणित किट का परिचय एवं कक्षा में प्रयोग, रिमीडियल गणित का परिचय एवं आवश्यकता, गणित शिक्षण में आने वाली कठिनाइयां आदि के बारे में विस्तार से बताया गया।

इस अवसर डॉ गोविंद प्रसाद, डॉ रविनाथ त्रिपाठी, इमरान, कुलदीप चौधरी, सरिता चौधरी, वर्षा पटेल, वंदना चौधरी आदि उपस्थित रहे।

ठेकेदार एसोसिएशन ने लोनिवि के मुख्य अभियन्ता को सौंपा ज्ञापन

–समस्याओं का समाधान न हुआ तो निविदा के बहिष्कार, धरने की चेतावनी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । सोमवार को ठेकेदार एसोसिएशन के अध्यक्ष अमर सिंह उर्फ जय नरायन सिंह के नेतृत्व में एसोसिएशन पदाधिकारियों ने समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर लोक निर्माण विभाग के बस्ती परिक्षेत्र के मुख्य अभियन्ता बी.एल. सिंह को ज्ञापन सौंपा। चेतावनी दिया कि यदि समस्याओं का समाधान न हुआ तो वे दमनकारी नीति के विरोध में निविदाओं का बहिष्कार कर घेराव और प्रदर्शन करेंगे।

लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियन्ता को सौंपे ज्ञापन में कहा गया है कि पिछले तीन वर्षो से लो.नि.वि. विभाग द्वारा नित्य नये नियम बनाये जा रहे लो०नि०वि० के लिए अत्यन्त घातक सिद्ध होते चले आ रहे हैं। कोषागार प्रणाली के कारण डिपाजिट के भुगतान न होने से हजारो करोड़ रूपया ठेकेदारों के फंस गये है। रायल्टी सम्बन्धित कारण से ठीकेदारो पर 6 गुना अर्थदण्ड लगाया जा रहा है जिससे ठेकेदारों का भारी नुकसान हो रहा है। नयी व्यवस्था में ग्रामीण मार्गो पर पांच वर्षीय अनुरक्षण लागू किया जा रहा है जिसमें लोक निर्माण विभाग के अधिकारी खुद भी असमंजस में हैं। शासनादेश जारी हो गया लेकिन एस०ओ०पी० जारी नही हो पा रहा है। अधिकारी खुद समझ नहीं पा रहे है कि इस नियम को कैसे लागू किया जाय जबकि प्रमुख अभियन्ता द्वारा खुद नियम बनाया गया था, स्वीकृति के प्रत्याशा में कोई निविदा आमंत्रित नहीं की जायेगी परन्तु स्वीकृति के प्रत्याशा में विभाग द्वारा निविदा निकालना शुरु हो गया, ऐसे में नियम बनाने वाले अधिकारी ही नियमों की धज्जियां उड़ा रहे है।

ज्ञापन में कहा गया है कि समस्याओं के समाधान के लिये अनेक पत्रों के माध्यम से ठेकेदारों की समस्या शासन–प्रशासन को पहुँचाई गयी लेकिन अभी तक उसका कोई भी निवारण विभाग द्वारा नहीं किया गया और ना ही ठेकेदारों की छः सूत्रीय मांगो पर अनुरक्षण में बदलाव किया गया । लो०नि०वि० द्वारा पहले से ही सड़को को प्रधानमंत्री सड़क योजना की तरह नहीं बनाया गया है, न उस तरह से स्टीमेट ही बनाया गया है। बाजार एवम् कस्बों में नाली निर्माण हो, बाढ़ प्रभावित सड़कें के सम्बन्ध में नई नीति लो०नि०वि० और सड़क के रख–रखाव के लिए 25 प्रतिशत दिया जाए जैसे प्रधानमंत्री योजना के सड़को पर दिया जा रहा है। उसके बाद ही पांच वर्ष का अनुरक्षण लागू किया जाय, अगर अगर एक सप्ताह के अंदर कोई निष्कर्ष नहीं निकलता है तो जनपद–बस्ती एवम् मण्डल के ठेकेदार निविदाओं का बहिष्कार करने के साथ ही घेराव के साथ–साथ धरना प्रदर्शन भी शुरू करेंगें। ज्ञापन देने वालों में ठेकेदार एसोसिएशन के उपाध्यक्ष रविन्द्रनाथ, महामंत्री गोविन्द पाण्डेय, अशोक सिंह, जयन्त्री सिंह, बबलू पाण्डेय, भुनेश प्रताप सिंह, राघवराम यादव, अजमत , नरेन्द्र सिंह, अरूण मिश्र, उमेश तिवारी, सुरेश चौधरी, संतराम चौधरी, चन्द्रेश सिंह, गुड्डू पाण्डेय, राम नरेश, परशुराम सिंह, वीरेन्द्र श्रीवास्तव, अजय तिवारी, रोहित मिश्रा, इन्द्रजीत सिंह, रामचन्द्र सिंह, हरिनरायन दूबे, ओम प्रकाश पाण्डेय, करीम अहमद के साथ ही अनेक ठेकेदार शामिल रहे।

भेलमापुर में गन्ना क्रय केन्द्र स्थापित कराये जाने की मांग :गन्ना किसानों ने डीएम को सौंपा पत्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गन्ना किसानों ने सोमवार को नान्देकुंआ निवासी डेलीगेट सत्य प्रकाश दूबे के नेतृत्व में जिलाधिकारी को पत्र देकर भेलमापुर में गन्ना क्रय केन्द्र स्थापित कराये जाने की मांग किया। किसानों ने पत्र में कहा है कि यदि भेलमापुर में गन्ना क्रय केन्द्र स्थापित नहीं हो पाता है तो ऐसी दशा में दुबौलिया क्रय केन्द्र पर गन्ना तौल कराने का आदेश समिति विक्रमजोत को दिया जाय।

डीएम को पत्र देने के बाद सत्य प्रकाश दूबे ने बताया कि वे नान्देकुआ के निवासी है। जो गन्ना समिति विक्रमजोत बस्ती में पड़ता है । गन्ना क्रय केन्द्र भेलमापुर के नाम से गन्ने का तौल का कार्य किया जाता है लेकिन कुछ दबंगो द्वारा इस गन्ना क्रय केन्द्र को जबरदस्ती बटपुरवा में लगवाया गया है जिससे किसानो को दुबौलिया क्रय केन्द्र से होकर जाना पडता है । इस कारण से किसानो को काफी कठिनाईयो का सामना करना पडता है। मांग किया कि भेलमापुर गन्ना क्रय केन्द्र भेलमापुर में ही स्थापित किया जाये जिससे किसानो को गन्ना लेकर आने जाने में सुविधा प्राप्त हो सकें। बताया कि इस सम्बन्ध में जिला गन्ना अधिकारी को इसकी सूचना दिया गया। इसके बाद 62 किसानों द्वारा हस्ताक्षर एंव मोबाईल नं० के साथ 28 अक्टूबर को जिला गन्ना विकास अधिकारी को पुनः दिया और इसी दिन जिलाधिकारी कार्यालय में भी दिया गया। उसके बाद रजिस्ट्री डाक द्वारा बभनान चीनी मिल को और एक रजिस्ट्री जिलाधिकारी को भेजा गया लेकिन इस संबंध में अभी तक कोई कार्यवाही नहीं गई। बताया कि उनके मोबाईल पर इस संबंध में गाली एंव धमकी भी दी गई कि क्रय केन्द्र के संबंध में कोई बात मत करियेगा। उन्होने चेतावनी दिया कि यदि गन्ना क्रय केन्द्र भेलमापुर में नही स्थापित हो पाता तो ऐसी दशा में दुबौलिया क्रय केन्द्र पर गन्ना तौल कराया जाय, अन्यथा किसान धरना प्रदर्शन को बाध्य होंगे।

डीएम को पत्र देने वालों में राम सिंह, राम बदल, मनोज कुमार, हरिशंकर, राजेन्द्र प्रसाद, सनोज कुमार, सुधाकर दूबे, आज्ञाराम चौधरी, रवि प्रकाश आदि शामिल रहे।

मीडिया दस्तक के स्थापना दिवस पर पत्रकारिता के सरोकारों पर विमर्श: सम्मानित हुई विभूतियां

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मीडिया दस्तक न्यूज नेटवर्क का 10 वां स्थापना दिवस समारोह प्रेस क्लब सभागार में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर शिक्षा, चिकित्सा, समाजसेवा व पत्रकारिता क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान दे रही विभूतियों को अंगवस्त्र, सम्मान पत्र व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने "मौजूदा पत्रकारिता– ये कहां आ गये हम" विषय पर आयोजित गोष्ठी में खुलकर अपने विचार साझा किये। प्रेस क्लब अध्यक्ष विनोद कुमार उपाध्याय ने कार्यक्रम का संचालन किया।

अतिथियों द्वारा मीडिया दस्तक की मल्टीकलर स्मारिका– 2024 का विमोचन किया गया। समारोह की मुख्य अतिथि रिदम एकेडमी एवं डा. श्रेया संगीत संस्थान की डायरेक्टर डा. श्रेया ने कहा मीडिया की भूमिका बहुत अहम है। पत्रकार और मीडिया संस्थान सच के साथ निर्भीक होकर खड़े रहें और खबरों का सम्पादन करें तो सत्ता और समाज दोनो नियंत्रित होगा और दिशाहीन होने से बंच जायेगा। मीडिया पर आज भी जनता का भरोसा कायम है, इसका एकमात्र कारण है कि लोग जानते हैं पत्रकार है तो गलत नही होगा। खबर छपी है तो सच होगी। समसामयिक खबरों, संपादकीय व समीक्षा से लोगों की अवधारणा विकसित होती है और इसी से समाज व सत्ता में अनुशासन आता है। मीडिया दस्तक की पूरी टीम को 10 वें स्थापना दिवस की बधाइयां व शुभकामनायें देते हुऐ कहा निर्भीक व निष्पक्षता पत्रकारिता की रफ्तार किसी कीमत पर कम न होने पाये। समाज का आगे आकर इन्हे सहयोग करना होगा।

विशिष्ट अतिथि समाजसेवी उमाशंकर पटवा ने कहा सच लिखने वाला निडर होता है। विघ्न बाधायें आती हैं लेकिन दृढ़ इरादे व सच बोलने, लिखने की हिम्मत हमेशा उसका मार्ग प्रशस्त करती रहती है। मौजूदा दौर पूर्ण रूप से व्यवसायिक हो चुकी पत्रकारिता में भी कुछ लोग आज भी इसे मिशन मानते हैं, मीडिया दस्तक उन्हीं में एक है। उन्होने कहा सच बोलने और लिखने वालों की प्रत्येक कालखण्ड में अहमियत रही है। समारोह की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ पत्रकार राजेन्द्रनाथ तिवारी ने बस्ती जनपद में नई पीढ़ी की पत्रकारिता को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। कहा पूर्वजों से मिला है वह नई पीढ़ी के लोग आने वाली पीढ़ी को कतई नही दे पायेंगे। उनके लिये पत्रकारिता न मिशन है, न प्रोफेशन, चापलूसी और दलाली को उन्होने अपना आदर्श मान लिया है। डा. अनिल कुमार मौर्य ने कहा मीडिया दस्तक के कार्य करने का तरीका और उसकी अवधारणा दूसरे संस्थानों और पत्रकारों से भिन्न है जिसमे जनसरोकारों की प्राथमिकता है।

विशिष्ट अतिथि आरटीआई एक्टिविस्ट देवेश मणि त्रिपाठी ने कहा आरटीआई की ताकत और महत्व को मीडिया बन्धुओं और मीडिया संस्थानों ने दरकिनार कर दिया है। मीडिया संस्थान इसे अथियार बनायें तो मीडिया का रूतबा भी कायम रहेगा और समाज में बदलाव भी दिखाई देगा। उन्होने आग्रह किया कि अनेक जनहित कह सूचनायें दबी पड़ी हैं उन्हे उजागर करने के लिये मीडिया का सहयोग जरूरी है। मीडिया दस्तक के डायरेक्टर एवं संपादक अशोक श्रीवास्तव ने फेसबुक पर पत्रकारिता की शुरुआत से लेकर विशाल न्यूज नेटवर्क के रूप में मीडिया दस्तक को खड़ा करने में आई बिघ्न बाधाओं, आलोचनाओं और अपने संघर्षो को भावनात्मक रूप से रखा साथ ही कार्यक्रम में सभी के सहयोग के प्रति आभार जताया। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों को अंगवस्त्र, सम्मान पत्र व प्रतीक चिन्ह देकर मीडिया दस्तक टीम द्वारा सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम को प्रमुख रूप से वरिष्ठ पत्रकार दिनेश चन्द्र पाण्डेय, जयंत कुमार मिश्रा, प्रदीप चन्द्र पाण्डेय, अभयदेव शुक्ल, प्रशांत पाण्डेय, ज्ञानेन्द्र पाण्डेय, देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, प्रेस क्लब महामंत्री महेन्द्र तिवारी, डा. आलोक रंजन वर्मा, रामप्रताप सिंह, आनंद राजपाल, डा. सत्यव्रत, जगदीश शुक्ल, नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा, अभय सिंह यादव, डा. फैसल अख्तर आदि ने सम्बोधित किया। दिलीप पाण्डेय, अरूण कुमार, संतोष सिंह, आशुतोष नारायण मिश्र, अरूणेश श्रीवास्तव, रामप्रताप सिंह, डा. वीके वर्मा, अवधेश कुमार मिश्र, नोज पाण्डेय, गौतम राजवंशी, रामसजन यादव, रत्नेन्द्र पाण्डेय, डा. अजीत श्रीवास्तव, वशिष्ठ पाण्डेय, जीशान हैदर रिज़वी एवं मो. अशरफ सहित कई लोग सम्मानित किये गये।

एक पेड़ मां के नाम, लगाये पौध, दिया संदेश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नेहरू युवा केन्द्र माय भारत द्वारा सोमवार को मिश्रौलिया स्टेट के निकट ग्रीन वैली स्कूल के परिसर में जिला युवा अधिकारी अनुराग यादव के संयोजन में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की कड़ी में पौधरोपण किया गया। कहा कि सघन पौधरोपण और हरियाली के द्वारा ही हम जीवन को बचा सकेंगे। पर्यावरण प्रदूषण बड़ी चुनौती है।

आम, आंवला, अमरूद, नेबू आदि के पौध रोपने के साथ ही उनके सुरक्षा का प्रबन्ध किया गया है। ग्रीन वैली के डायरेक्टर डा. अजीत सिंह ने कहा कि जो पौध रोपे गये हैं उनकी पूरी सुरक्षा करायी जायेगी जिससे वे फले फूले। हरियाली के बिना जीवन अधूरा है। पौधरोपण के दौरान मुख्य रूप से ओम प्रकाश मिश्र, मनोरमा चौधरी, शिव कुमार मौर्य, राजेश विश्वकर्मा, काजल, रूचि श्रीवास्तव, पूजा के साथ ही प्रधानाचार्य संध्या और स्कूल के शिक्षक और छात्रों ने योगदान दिया।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 12 नवम्बर 2024 मंगलवार

सम्पादकीय

जम्मू—कश्मीर में 370 का राग

जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव के परिणाम के बाद नई प्रदेश सरकार ने फिर से पुराने एजेंडे पर काम करना प्रारम्भ कर दिया है। इससे निश्चित ही यह संकेत मिलता है कि जिस धारा 370 और 35ए के कारण कश्मीर को शेष भारत से अलग दिखने जैसी स्थिति दिखती थी, वैसी ही स्थिति पैदा करने का प्रयास नई सरकार यानी कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस द्वारा किया जा रहा है। राज्य की नई सरकार का यह कदम पाकिस्तान के हौसले बढ़ाने वाला ही लगता है, क्योंकि पाकिस्तान धारा 370 के कारण ही कश्मीर को अपना बताने का कुचक्र रचता रहा है। धारा 370 के बहाने राज्य को मिले विशेष अधिकारों के चलते ही पाकिस्तान ने अपना नेटवर्क स्थापित किया था, जिसके कारण वहां के नागरिक भारतीय सेना के प्रति अलगाव का व्यवहार करते दिखाई दिए। उस समय पाकिस्तान परस्त आतंकी कश्मीर में युवाओं को भ्रमित करते रहते थे। अब उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार ने जम्मू कश्मीर में फिर से अलगाव के बीज रोपित करने का काम किया है। जिसमें कांग्रेस की भी भागीदारी है। हालांकि कांग्रेस सरकार में शामिल नहीं है, बाहर से समर्थन दे रही है। जम्मू कश्मीर में जब धारा 370 कायम थी, तब राज्य ने क्या खोया था, यह पूरा देश जानता है। घाटी में पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकी घटनाएं होती रहती थी। वर्तमान केंद्र सरकार ने धारा 370 हटाकर कश्मीर को शेष भारत से समरस करने का काम किया है। इसीलिए आज जम्मू कश्मीर आतंकी गतिविधियों पर लगाम लगा पाने में बहुत हद तक सफल हुआ है।

वर्तमान में पूरे देश में समान नागरिक संहिता को लागू करने के स्वर मुखरित होने लगे हैं। समान नागरिक कानून निश्चित ही सभी नागरिकों को समान अधिकार देने का हिमायती है, लेकिन दूसरी ओर जम्मू कश्मीर में अलग संविधान को मान्यता देने वाली धारा 370 को लाने का प्रयत्न किया जा रहा है। यह धारा जम्मू कश्मीर को अलग पहचान देने का काम करती है। इसके चलते कश्मीर का संविधान और ध्वज अलग हो जाएगा, जो भारत के संविधान और तिरंगा से अलग होगा। यह स्थिति डॉ. भीमराव अम्बेडकर के संविधान से अलग प्रकार की होगी। ऐसे में कांग्रेस नेता राहुल गांधी का वह बयान स्वतः ही खारिज हो जाता है, जिसमें वह कहते हैं कि भाजपा संविधान फाड़कर फेंकना चाहती है। इसका एक आशय यह भी प्रादुर्भित होता है कि कांग्रेस संविधान को बचाना चाहती है, लेकिन कांग्रेस कौन से संविधान को बचाना चाहती है, यह और स्पष्ट करना चाहिए, क्योंकि बाबा साहब अम्बेडकर कभी भी जम्मू कश्मीर को अलग दरजा देने के पक्ष में नहीं थे। उन्होंने संविधान में इसको जोड़ने से इंकार कर दिया था। अम्बेडकर जी के मना करने के बाद शेख अब्दुल्ला, प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के पास पहुंचे, जिन्होंने बाबा साहेब अम्बेडकर की भावना को दफन करते हुए शेख अब्दुल्ला को प्रसन्न करते हुए धारा 370 का समावेश संविधान में करा दिया। आज कांग्रेस भले ही इस बात का दम्भ भरे कि वह संविधान को बचाना चाहती है, लेकिन कांग्रेस के कार्य ऐसे लगते नहीं हैं। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस की सरकार ने ही आपातकाल लगाकर भारत के नागरिकों के सारे अधिकार छीन लिए थे, जो बहुत बड़ा संविधान विरोधी कदम था। क्योंकि उस समय आपातकाल लगाने जैसी स्थिति नहीं थी। यह सारा खेल अपनी कुर्सी को बचाने के लिए किया गया था। आपातकाल संविधान की हत्या करने जैसा ही था।

पांच वर्ष पूर्व केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने अपने वादे के मुताबिक जम्मू कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा प्रदान करने वाली धारा 370 और 35ए को विलोपित कर दिया। उल्लेखनीय है कि भाजपा का यह कदम किसी भी प्रकार से किसी के विरोध में इसलिए नहीं कहा जा सकता, क्योंकि भाजपा के हर घोषणा पत्र में इस धारा को हटाने की बात की। इन्हीं वादों को पूरा करने के लिए भाजपा को समर्थन मिला। जब जनता ने भाजपा के वादों को पूरा करने के लिए समर्थन दिया, तब स्वाभाविक रूप से यही कहा जा सकता है कि भाजपा ने वही काम किया, जो जनता चाहती थी। अब जम्मू कश्मीर में भारत का संविधान चलता है, राज्य का अपना कोई संविधान नहीं है। इतना ही नहीं जम्मू कश्मीर अब केंद्र शासित प्रदेश है। इसलिए उसके संवैधानिक अधिकार सीमित हैं। इसलिए जम्मू कश्मीर की सरकार संविधान में बदलाव करने का कोई संवैधानिक हक नहीं रखती। यह केंद्र सरकार का काम है। राज्य कोई विधेयक पारित तो कर सकता है, लेकिन वह विधेयक तब तक लागू नहीं हो सकता, जब तक केंद्र की सरकार न चाहे। इसलिए यह कहा जा सकता है कि राज्य की नवगठित सरकार का यह कदम केवल राजनीतिक लाभ के लिए है।

देश में कई विपक्षी राजनीतिक दलों ने एक साथ आकर इंडी गठबंधन बनाया है। यह गठबंधन बार बार संविधान बचाने की बात करता रहता है, लेकिन सवाल यह है कि जम्मू कश्मीर में धारा 370 को बहाल करने वाले विधेयक पर कोई भी बोलने को तैयार नहीं है। इसे मौन समर्थन भी माना जा सकता है। कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस की ऐसी कौन सी राजनीतिक मजबूरी है जो धारा 370 और 35ए की बहाली के लिए उनको मजबूर कर रही है। क्या इन दलों को यह पता नहीं है कि इन्हीं कानूनों के कारण ही कश्मीर हिन्दू विहीन हो गया है। क्या यह दल फिर से कश्मीर घाटी को उसी स्थिति में ले जाना चाहते हैं।

देश में एक समान कानून होना चाहिए, यह सभी चाहते हैं। लेकिन जम्मू कश्मीर में इसका प्रयोग नहीं किया जा रहा है। जम्मू कश्मीर में अगर धारा 370 बहाल हो जाती है तो निश्चित ही पाकिस्तान परस्त मानसिकता फिर से हाबी हो सकती है और जम्मू कश्मीर फिर से अलगाव की स्थिति में आ सकता है। ऐसी स्थिति न बने, इसलिए कश्मीर में भी देश का संविधान ही लागू रहे, यह समय की मांग है और यह कदम जम्मू कश्मीर के हित का भी है।

समय के साथ बदलते राजनीतिक सन्दर्भ

—ज्योति मल्होत्रा—

व्हाइट हाउस में डोनाल्ड ट्रंप की वापसी से अमेरिका में इन दिनों ठीक वैसी भावनाओं की तीव्रता उमड़ रही है जैसी पिछले एक दशक में नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद से भारत में अनुभव हुई है। वहां की तथाकथित 'उदारवादी प्रेस' ने ट्रंप के जीतने पर एक अंधकारमय, प्रलंयकारी परिदृश्य को चित्रित करने के लिए अपनी हदें पार कर दीं, जबकि ट्रंप समर्थक तथाकथित 'रूढ़िवादी मीडिया' जिसकी अगुवाई एलन मस्क का सोशल मीडिया मंच एक्स कर रहा था उसने अमीरों के कुलीन पहनावे वाले व्यक्ति (ट्रंप) की छवि चमकता बख्तरबंद पहने एक योद्धा के रूप में पेश की, जो बचाने आया है।

यह हैरानी भरा भाव है कि जिस प्रकार का भावनात्मक मिश्रण मोदी के प्रति भारत में दिखता है, उससे मिलता—जुलता ट्रंप के लिए भी दिखा। मोदी द्वारा 2014, 2019 और 2024 में पाई सफलता में चुनावी उल्लास बनाम उदासी भरा आक्रोश, तीनों बार एक पहचान रही। निश्चित रूप से, यह स्पष्ट है कि भारत में भी, अमेरिका की तर्ज पर ध्रुवीकरण करने वाले व्यक्तित्व —मोदी और ट्रंप के वजन के तले खुशहाल मध्य वर्ग का हिस्सा काफी हद तक गायब हो गया है। बड़ा सवाल यह है कि क्योंकर मीडिया और चुनाव—पंडितों, दोनों के अनुमान लगातार गलत निकल रहे हैं। क्या हमें मोदी और ट्रंप को खारिज करना इतना भाता है कि हम वास्तव में यह देखने और सुनने से इनकार कर रहे हैं कि जिन लोगों के विचारों, इच्छाओं और चिंताओं को हम व्यक्त करने का दावा करते हैं, वे वास्तव में क्या कहते हैं?

अमेरिका की तरह जहां चुनाव—पंडितों ने दौड़ को बराबरी पर ला दिया था, और द न्यूयॉर्क टाइम्स जैसे प्रतिष्ठित अखबारों ने तो फ्लोरिडा में ट्रंप द्वारा विजय—भाषण देने के बहुत बाद तक यह मानने से इनकार किए रखा कि वे जीत गए हैं , भारत में भी, हममें से कइयों ने अपने दिल को अपने दिमाग पर हावी होने दिया, संयोगवश दोनों दिशाओं में। साल 2014 और 2019 में, हम यह यकीन नहीं कर पा रहे थे कि भारतीय अपने दोनों हाथों से मोदी को वोट दे रहे हैं, साल 2022 में, हमने यह मानने से इनकार कर दिया कि योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश में जीत हासिल की है , हमने कहा, क्या कोविड—19 के दौरान हुई हजारों मौतें इस बात का सुबूत नहीं हैं कि ईश्वर स्वयं उनके खिलाफ हो गए हैं? साल 2024 में, हमें उतनी ही हैरानी हुई जब उसी उत्तर प्रदेश ने खुद को पूरी तरह से भाजपा को सौंपने से इनकार कर दिया।

इन तमाम मामलों में, हमने खुद को मुगालतों में इतनी गहराई तक डुबो दिया कि जमीनी हकीकत पर ध्यान देने से आंखें मूंद लीं। इससे भी बदतर, एक बार जब ये जनादेश हमारे सामने थे, तब भी हममें से कई लोगों ने उन्हें सीधे तौर पर स्वीकार करने से इनकार कर दिया। हमने जोर देकर कहा कि मोदी और ट्रम्प के साथ कुछ तो गड़बड़ है जो सच हो भी सकता है और नहीं भी। बदतर यह कि, हम राहुल गांधी या कमला हैरिस में से किसी पर भी वही सख्त पैमाना लागू करने से बचे।

तो आइए, आज तथ्यों का सामना करें। तथ्य यह है कि हैरिस इसलिए हारी क्योंकि उसने किसी भी मुद्दे पर डटने की कोशिश नहीं की भले ही ट्रम्प का कई मामलों में नाम है, उनकी छवि यौन उच्छृंखलता के आरोपों वाली है या इससे भी अधिक बुराइयां होने की है, लेकिन कम से कम उन्होंने इमिग्रेशन बंद करके (जो भारत के लिए बुरी खबर है) अमेरिका में रोजगार की उपलब्धता बढ़ाने का वादा किया। जहां तक राहुल का सवाल है, तथ्य यह है कि मेरे जैसे लोग डिनर के दौरान सियासत पर चर्चा में बेशक उनके कई विचारों से दिल से सहमत होंगे, लेकिन संकोचपूर्वक यह भी स्वीकार करेंगे कि ऐसा कौन सा मुद्दा है, जिसके लिए वे लड़ मरने को तैयार हों।

अमेरिका और भारत जैसे प्रदूषित लोकतंत्र में बल्कि ट्रम्प और मोदी जैसी शिख्सयतों को चुनना पसंद करेंगे क्योंकि वे इसकी गिरावट या रूपांतरण से समाज को मिली अराजकता का सरलीकरण करने में सक्षम हैं। जिन लोगों को हम चुनते हैं उनके जीवन के स्याह पक्षों को अनदेखा कर देते हैं चाहे यह 6 जनवरी, 2021 को अमेरिका के सत्ता केंद्र यानि व्हाईट हाउस पर ट्रंप समर्थकों का हमला हो या फिर 2002 में गुजरात में घटा दुःस्वप्न हो—क्योंकि हम उनके वर्तमान आश्वासनों में यह सुकून ढूंढ़ते हैं कि वे हमारे मौजूदा कठिन जीवन को बेहतर बनाएंगे। वे हमें सहज ढंग से यह पेश करते हैं। उनके विरोधियों पर यकीन करने से अधिक हमें उन पर अविश्वास कम होता है। मतदाताओं ने ट्रंप को वोट देने की एक वजह यह बताई दृ यहां तक कि डेमोक्रेट पार्टी के रिवायती समर्थक दक्षिणी अमेरिकी राज्य जॉर्जिया के अश्वेत लोगों की बहुलता वाले जिले भी लगभग पूरी तरह से उनके पक्ष में चले गए, इसके अलावा उनके लेटिन वोट में 14 प्रतिशत का इजाफा हुआ दृ क्योंकि उनका मानना था कि डेमोक्रेट्स अपने मतदाताओं को हल्के में लेने लगे हैं।

यह कुछ सुना—सुना सा लगता है न? निश्चित रूप से यह राहुल की कांग्रेस की तरह है, खासकर वे जो शिकायत कर रहे हैं कि हरियाणा में ईवीएम में धांधली थी। मतदाताओं ने हैरिस के खिलाफ रुख दिखाया, ठीक उसी तरह जैसे उन्होंने भूपेंद्र सिंह हुड्डा के मामले में किया, जब उन्होंने अपनी पार्टी के कुमारी सैलजा, रणदीप सुरजेवाला और बीरेंद्र सिंह जैसे नाराज नेताओं को साथ लेकर चलने से इनकार कर दिया। हरियाणा के हर निर्वाचन क्षेत्र के अपने माइक्रो—मैनेजमेंट से गैर—जाट वोटों पर ध्यान केंद्रित करने वाली भाजपा की तरह, डाटा दिखाता है कि ट्रंप ने पिछले 40 वर्षों में किसी भी अन्य रिपब्लिकन उम्मीदवार की तुलना में अधिक गैर—श्वेत वोट जीते हैं।

बदतर कि जब यूपी में भाजपा ने 29 सांसद गंवाए और इसके परिणामवश लोकसभा में बहुमत, तो कांग्रेस इसका राग अलापना नहीं छोड़ा, वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री मोदी ने जल्द बूझ लिया कि आधे—अधूरे नीतिगत निर्णयों जैसी कोई अवस्था नहीं होती इसलिए वे बतौर प्रधानमंत्री वह सब करने में सक्षम हैं जो पूर्ण बहुमत के साथ करते। लिहाजा अपनी सत्ता को मजबूत करने और यूपी का बदला चुकाने का एकमात्र रास्ता आने वाले प्रांतीय चुनावों को जीतना है—हरियाणा हो या महाराष्ट्र या फिर झारखंड।

हालांकि, ऐसा लगता है कि पंजाब पर अलग नियम लागू किए जा रहे हैं , एक ऐसा राज्य जो मोदी के सामने डटकर खड़ा हुआ और उन्हें तीन कृषि कानूनों को वापस लेने के लिए मजबूर किया। पिछले कुछ हफ्तों में धान की खरीद में भारी मुश्किल के बारे में बहुत सारे सवाल पूछे जा रहे हैं दृ क्या इसे टाला नहीं जा सकता था, इस परिप्रेक्ष्य में कि पंजाब एक संवेदनशील सीमावर्ती राज्य है, जो कृषि पर काफी हद तक निर्भर है? क्या केंद्र को समझदारी से पंजाब से अन्य राज्यों को धान की निकासी नहीं करवानी चाहिए? ऐसा क्यों है कि इस साल ही भारतीय खाद्य निगम ने यह खोज की कि पंजाब ने जो चावल अरुणाचल प्रदेश और कर्नाटक को भेजा, वह खराब है? शायद, सोशल मीडिया पर वायरल हो रही नकारात्मकता की बू इसमें कुछ सही लगे। इन उलझे सवालों का जवाब देने का अन्य तरीका यह है कि मोदी दृऔर हिम्मत कर कहूं कि ट्रंप भी दृ सत्ता की प्रकृति को समझते हैं। राजनीति कोई किटी पार्टी या एनजीओ नहीं। यदि मतदाता आपको एक निश्चित संख्या से अधिक वोट नहीं देते हैं दृ उदाहरण के लिए, 2024 के लोकसभा चुनावों में पंजाब में भाजपा ने 18.3 प्रतिशत से अधिक वोट पाए , तो अन्य उपाय किए जाने की जरूरत है। उनमें से, फूट डालो और राज करो किताबों में दिया सबसे पुराना सूत्र। अब जबकि ट्रंप अमेरिका की सत्ता पर काबिज हो गए हैं, यह समय है घर पर ध्यान केंद्रित करने का। महाराष्ट्र के साथ—साथ, आइए शुरुआत करें 20 नवंबर को पंजाब में होने वाले चार उपचुनावों से। खेल शुरू हो।

—लेखिका 'द ट्रिब्यून' की प्रधान संपादक हैं।

वोट बैंक के विकास की राजनीति

—राज कुमार सिंह—

मुफ्त की रेवडियों की चुनावी राजनीति फिर चर्चा में है। इस पर प्रतिबंध के लिए सुप्रीम कोर्ट में एक और याचिका दाखिल हुई है, तो महाराष्ट्र व झारखंड के विधानसभा चुनावों में मतदाताओं को लुभाने के लिए मुफ्त की रेवडियों की बारिश का मौसम है। चुनावी राज्यों में अक्सर 'त्यौहारी सेल' जैसा माहौल होता है, जहां ग्राहक को आकर्षत करने में दुकानदार कोई कसर नहीं छोड़ते। ग्राहकों को ऑफर का लाभ उठाने के लिए फिर भी अपनी जेब कुछ ढीली करनी पड़ती है, लेकिन राजनीति में तो करदाता की कमाई से राजनीतिक दल 'दानवीर' बन कर वोट बटोरते हैं। देश के विकास की कीमत पर अपने वोट बैंक का विकास करते हुए सत्ता कब्जाते हैं और हर कोई मूकदर्शक बना रहता है।

महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा चुनावों में भी मुफ्त की रेवडियां बांटने का यह बेलगाम खेल तब चल रहा है, जब देश के दो बड़े दलों और नेताओं में ऐसी गारंटियों पर वाकयुद्ध चला। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने जो पांच गारंटियां दी थीं, उनमें महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा की 'शक्ति' गारंटी भी है। पिछले दिनों कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार का बयान आया कि कुछ महिलाओं ने टिकट ले कर यात्रा करने की इच्छा जताई है, इसलिए 'शक्ति' योजना पर पुनर्ध्वचार संभव है। महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव के बीच आए इस बयान पर शिवकुमार की पार्टी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने नसीहत दी कि वे ही चुनावी वायदे किए जाने चाहिएं, जिन्हें पूरा करना संभव हो। निश्चय ही खरगे को आशंका रही कि शिवकुमार के बयान से कांग्रेस द्वारा किए जाने वाले चुनावी वायदों की विश्वसनीयता पर असर पड़ सकता है।

कांग्रेस और भाजपा में जारी वाकयुद्ध के बीच भी भाजपानीत राजग और विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' ने महाराष्ट्र और झारखंड में चुनाव जीतने के लिए मुफ्त की रेवडियों के वायदे करने में संकोच नहीं किया। पहले से भारी कर्ज में डूबे महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था पर मुफ्त की रेवडियां बांटने की इस होड़ का क्या असर पड़ेगा, इसकी ड्क्षचता किसी को नहीं। यही बात आदिवासी बहुल राज्य झारखंड की बाबत कही जा सकती है। चुनाव जीतने के लिए लोक लुभावन वायदों की राजनीतिक प्रवृत्ति तो पुरानी है, लेकिन मुफ्त की रेवडियां अब चुनाव जीतने का आसान कारगर नुस्खा बनती दिख रही हैं। देश भर में मोदी लहर के बावजूद दिल्ली में 'आप' की चुनावी सफलता में मुफ्त पानी—बिजली जैसे वायदों ने निर्णायक भूमिका निभाई। दिल्ली में चुनाव—दर—चुनाव सफलता से उत्साहित अरविंद केजरीवाल अपने चुनावी वायदों को 'गारंटी' बताने लगे, जिसका लाभ 'आप' को पंजाब में भी प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता के रूप में मिला।

मुफ्त की रेवडियों या ऐसी गारंटियों के जरिए चुनाव जीतने के लिए अक्सर केजरीवाल को निशाना बनाया जाता है, लेकिन शायद ही कोई दल हो, जो इन चुनावी नुस्खों को न आजमाता हो। विपक्षी दल तो कोरोना काल में शुरू की गई 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना' लगातार बढ़ाए जाने को भी इसी नजर से देखने लगे हैं। महाराष्ट्र में चुनाव की घोषणा से पहले एकनाथ शिंदे मंत्रिमंडल की अंतिम बैठक में लगभग 150 लोक लुभावन घोषणाओं को चुनावी 'लॉलीपॉप' के सिवाय और क्या कहा जाएगा? कर्नाटक ही नहीं, हिमाचल प्रदेश में भी कांग्रेस द्वारा चुनाव जीतने के लिए दी गई गारंटियों पर अमल को ले कर जब—तब सवाल उठते रहते हैं, पर अन्य दलों द्वारा शासित राज्यों की कहानी भी अलग नहीं। वायदे सरकार बनते ही राज्य के कायाकल्प के किए जाते हैं, पर उनमें से ज्यादातर बड़े वायदे अंतिम समय तक लटके रहते हैं या फिर उन पर प्रतीकात्मक रूप से ही अमल किया जाता है। ऐसा इसलिए भी, क्योंकि हर मतदाता वर्ग को लुभाने के लिए वायदों की बारिश करते समय उनकी व्यवहार्यता और आर्थिक प्रभाव का आकलन ही नहीं किया जाता।

जाहिर है, इन योजनाओं का आर्थिक बोझ ईमानदार करदाताओं पर ही पड़ता है, जिनका प्रतिशत विदेशों की तुलना में हमारे देश में बहुत कम है। यह सवाल भी बार—बार उठता रहा है कि क्या उन करदाताओं से सहमति नहीं ली जानी चाहिए, जो देश के विकास के लिए कई तरह के कर देते हैं, न कि चुनावी 'रेवडियां' बांट कर सत्ता हासिल करने की राजनीति के लिए? बेशक नागरिकों को जीवन के लिए आवश्यक और न्यूनतम सुविधाएं उपलब्ध करवाना कल्याणकारी राज की जिम्मेदारी है। सीमित मात्रा में मुफ्त पानी और सस्ती बिजली जैसी सुविधाओं की सोच भी सकारात्मक है। पैट्रोल—डीजल और गैस सिलैंडर जैसी दैनिक उपभोग की चीजें भी आम आदमी की क्रय शक्ति के अंदर रखने की कोशिश की जानी चाहिए, लेकिन लैपटॉप, स्मार्टफोन, साइकिल, टी.वी., फ्रिज आदि मुफ्त बांटना तो मतदाताओं को रिश्वत देने जैसा है। फिर अब तो बात मासिक या सालाना नकद राशि दे कर 'लाड़' जताने तक पहुंच गई है। क्या यह 'लाड़' वोट का 'रिटर्न गिफ्ट' नहीं, जिसकी कीमत ईमानदार करदाता ही चुकाते हैं, जिनकी ड्क्षचताएं और जरूरतें अब चुनाव केंद्रित राजनीति में किसी के एजैंडा पर नहीं रह गई हैं?कभी तमिलनाडु से शुरू हुआ मुफ्त की रेवडियों का चुनावी खेल अब पूरे देश में खुल कर खेला जा रहा है। चुनाव—दर—चुनाव मुफ्त की रेवडियों की प्रवृत्ति बढ़ रही है और सरकारी खजाने पर उसका बोझ भी, जिसका नकारात्मक असर विकास कार्यों पर साफ नजर आता है। राजनीतिक दलों में लोक लुभावन घोषणाओं की बढ़ती होड़ से साफ है कि इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट से ले कर चुनाव आयोग तक की नसीहतें बेअसर रही हैं। अब आखिरी उम्मीद मतदाताओं पर ही टिकी है कि कभी तो वे मतदान तक सीमित कर दी गई अपनी भूमिका से आगे नागरिक के रूप में अपने वास्तविक अधिकारों और दायित्वों को समझेंगे, ताकि लोकतंत्र को सत्ता का खेल भर बनने से बचाया जा सके।

कैसे हो बाल विवाह प्रथा का पूर्ण उन्मूलन

—दीपिका अरोड़ा—

समाज सुधारकों के अनथक प्रयासों एवं सरकारों द्वारा व्यापक जन—जागृति फैलाने के बावजूद, हमारे समाज का एक वर्ग आज भी पुरातन कुप्रथाओं से पूर्ण रूपेण मुक्त नहीं हो पाया। इसी कड़ी में शामिल है बाल विवाह प्रथा, जो कानूनन निषेध होने के बावजूद देश के विभिन्न भागों में विद्यमान है। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एन.सी.पी. सी.आर.) के अनुसार, आज भी देश के लगभग साढ़े 11 लाख बच्चों पर बाल विवाह का संकट मंडरा रहा है। रिपोर्ट के तहत, वर्ष 2022 के दौरान देश में एक हजार से अधिक बाल विवाह के मामले सामने आए। अप्रत्यक्ष प्रकरण जुडने पर संभवतरू सूची और लंबी हो जाए!

एक बड़ी जनसंख्या वाले भारत के समक्ष भले ही यह संख्या मामूली प्रतीत हो, किंतु देश के प्रगतिशील बुद्धिजीवियों को अवश्य झकझोरती है। बाल विवाह न केवल देश के सर्वांगीण विकास में एक बड़ा अवरोधक है, बल्कि बच्चों की सुरक्षा, शिक्षा व अधिकार सुनिश्चित कर रहे निकायों के लिए भी महत्वपूर्ण चुनौती है। भारतीय समाज में प्रचलित कुप्रथा के मद्देनजर देखें तो 'बाल विवाह' के विरुद्ध लंबे संघर्ष की एक अलग ही गाथा है। समाज सुधारकों के अतुलनीय योगदान के फलस्वरूप संभव हुई जनजागृति की लहर के प्रसार से जहां स्थिति बेहतर होने की उम्मीद जगी, वहीं कानूनी स्तर पर बाल विवाह प्रतिबंधित घोषित किए जाने से भी सुधार की संभावनाएं प्रबल हुईं।

बाल विवाह पर रोक संबंधी कानून सर्वप्रथम 1929 में पारित हुआ, जिसे 1 अप्रैल, 1930 से देश भर में लागू किया गया। विशेष विवाह अधिनियम, 1954 एवं बाल विवाह निषेध अधिनियम (पी.सी.एम.ए.), 2006 के आधार पर विवाह योग्य न्यूनतम आयु बालिकाओं के लिए 18 वर्ष और बालकों के लिए 21 वर्ष निर्धारित की गई। 1949, 1978 तथा 2006 में समयानुकूल संशोधन होते गए।

बाल विवाह कुप्रथा की भुक्त भोगी बालिकाओं का प्रतिशत 1993 में 49 से घटकर 2021 के दौरान 22 फीसदी तक आना तथा कम वय में बालकों के विवाह का प्रतिशत 2006 के 7 फीसदी से घटकर 2021 में 2 फीसदी पर पहुंचना यद्यपि इस दिशा में किए जा रहे प्रयत्नों के संदर्भ में एक उल्लेखनीय प्रगति है, तथापि वर्ष 2016 से 2021 के मध्य बाल विवाह समाप्ति की ओर उन्मुख प्रयासों में उदासीनता दृष्टिगोचर होना निरूसंदेह निराशाजनक है। ताजा आंकड़े स्पष्ट गवाह हैं कि मंजिल फतह करने में अभी कई पड़ाव शेष हैं।

घोर आश्चर्य होता है, जब तुलनात्मक आधार पर साक्षरता का स्तर ऊंचा होने पर भी दक्षिण स्थित कर्नाटक, तमिलनाडु सरीखे राज्यों की गणना बाल विवाह प्रकरणों में शीर्षस्थ 3 राज्यों में की जाए। जहां यह पर्याप्त जन—जागरूकता का अभाव दर्शाता है, वहीं हमारी वर्तमान शिक्षा व्यवस्था के उद्देश्य को लेकर भी प्रश्नचिन्ह अंकित करता है। कम उम्र में बच्चे ब्याहने की सोच के पीछे कारण खंगालें तो इस विषय में सांस्कृतिक, सामाजिक, धार्मिक, आध्र्थक आदि अनेक पक्ष उभरकर सामने आते हैं। सामाजिक वातावरण में कलुषित मानसिकता का समावेश होना इनमें प्रमुख कारण है, जोकि पिछड़े इलाके के अभिभावकों पर विशेष प्रभाव डालता है। किशोरावस्था में पथभ्रष्ट होने का भय, दुराचार के अनवरत बढ़ते मामले आदि समाधानिक रूप में उन्हें संतान के शीघ्र विवाह का उपाय ही सुझाते हैं। निर्धनता भी अपने आप में एक बड़ा अभिशाप है, जिसके चलते अतिरिक्त खर्चे से बचने हेतु अभिभावक एक के साथ दूसरे बच्चे की शादी भी तय कर देते हैं, बिना यह विचारे कि उसकी अवस्था क्या है! अनेक मामलों में लड़कियों की आयु लड़कों के मुकाबले काफी कम होती है।

बाल विवाह के समर्थक भले ही कितने भी तर्क क्यों न दें, किंतु अबोध उम्र में विवाह से बच्चों का बचपन तो छिनता ही है, उनके शिक्षा—स्वास्थ्य—सुरक्षा संबंधी अधिकारों का भी हनन होता है। बालिकाओं के मामलों में तो कठिनाइयां और भी अधिक हैं। इससे उनकी शिक्षा, वित्तीय स्वतंत्रता तो प्रभावित होती ही है, स्वास्थ्य संबंधी जटिलताएं भी अपेक्षाकृत बढ़ जाती हैं। अशिक्षित होने के कारण वे अपने आस—पास घटित हो रही घटनाएं समझने में अक्षम रहती हैं। कच्ची उम्र में मां बनना जहां उनके स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव डालता है, वहीं गर्भस्थ शिशु का विकास भी बाधित करता है। बच्चे कुपोषित पैदा होते हैं अथवा किसी गंभीर बीमारी का शिकार हो जाते हैं। प्रसव के दौरान जच्चा—बच्चा, दोनों की जान पर बराबर खतरा बना रहता है।

बाल विवाह गले की फांस बन जाता है, जब वर अपने रिश्ते के प्रति गैर जिम्मेदाराना रवैया अपनाए रखे अथवा कालान्तर में विवाहिता का परित्याग कर दे। आज भी कोर्ट में अनेकों मामले आते हैं, जिनमें पुरुषों का कहना है कि बचपन में उनसे ब्याही गई लड़की उनकी पसंद अथवा वर्तमान योग्यता के आधार पर खरी नहीं उतरती। वर—वधू की आयु में भारी अंतर होने पर भविष्य में बाल विधवा बनने का दंश भोगने संबंधी आशंकाएं बढ़ जाती हैं, तो कभी बेमेल पुनर्ध्ववाह सारे जीवन को अभिशाप बना छोड़ता है।

स्पष्ट शब्दों में, यह कुप्रथा बाल अधिकारों पर कुठाराघात है। वास्तव में इनकी रक्षा एक नैतिक, कानूनी, पारिवारिक व सामाजिक जिम्मेदारी है। किसी भी स्तर पर इसकी अनदेखी अंततरू राष्ट्र के समग्र विकास को प्रभावित करेगी।

खुद के विवाह के कार्ड बांटकर लौट रहा था युवक, ट्रैक्टर–ट्राली ने रौंदा, दर्दनाक मौत

संवाददाता–गोण्डा। रविवार देर रात गिट्टी–मोरंग लदी ट्रैक्टर–ट्राली ने बाइक सवार को रौंद दिया। हादसे में आंगनबाड़ी कार्यकत्री के बेटे की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी चालक ट्रैक्टर–ट्राली लेकर भाग गया। युवक की चार दिसंबर को शादी होनी थी। वह वैवाहिक कार्यक्रम का निमंत्रण कार्ड बांटकर घर लौट रहा था। हादसा वजीरगंज थाना इलाके के बालेश्वरगंज के पास हुआ। भगोहर गांव के मुडिला निवासी किसान राजू मौर्य की पत्नी निराला मौर्य स्थानीय स्तर पर आंगनबाड़ी कार्यकत्री हैं। उनके बड़े बेटे अमित मौर्य (25) का वैवाहिक कार्यक्रम तय था। चार दिसंबर को बरात जानी थी। रात करीब 9रू30 बजे कार्ड देकर वापस घर लौट रही था।

दुर्जनपुर मार्ग पर बालेश्वरगंज के करीब 100 मीटर दूरी पर गिट्टी–मोरंग लदी अज्ञात ट्रैक्टर–ट्राली के चालक ने टक्कर मार दी। इसके बाद वह बीच रोड पर गिर गया। इस दौरान आरोपी ट्रैक्टर चालक रुकने के बजाय भागने के चक्कर में युवक को रौंदता चला गया। बाइक बुरी क्षतिग्रस्त हो गई। सूचना पर पुलिस ने उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र वजीरगंज ले गई, लेकिन युवक की मौत हो चुकी थी। थानाध्यक्ष अभय सिंह ने बताया कि ट्रैक्टर चालक के दुर्जनपुर और बाइक सवार युवक के बालेश्वरगंज की ओर जाते वक्त आमने–सामने टक्कर हुई है। हेलमेट न पहने होने से अमित के सिर में चोट आने से अत्यधिक रक्तस्राव भी मौत का कारण बन गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के बाद जांच शुरू कर दी गई है। परिजन ने बताया कि पिता राजू मौर्य सब्जी की खेती करते हैं। वहीं बड़ा बेटा अमित इंटरमीडिएट पढ़ाई के बाद पिता के कामकाज में बढ़–चढ़कर हाथ बंटाता था। उसकी शादी की तैयारी चल रही थी। मगर हादसे के बाद परिवार की सभी खुशियां गम में बदल गई। मृतक अमित की मां निराला मौर्य, छोटा भाई अमन मौर्य के अलावा बड़ी बहन अर्चना समेत परिजनों का रो–रोकर बुरा है। अमित का छोटा भाई अमन मौर्य स्नातक की पढ़ाई कर रहा है।

दुर्जनपुर मार्ग पर हादसे होने के बाद आसपास के लोग मौके पहुंचे। इसके बाद 112 पुलिस को घटना की जानकारी दी। वहीं मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने इलाज के लिए एबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया। ऐसे में करीब 30 मिनट तक घायल युवक इलाज के लिए रोड पर तड़पता रहा। कोई आकस्मिक उपचार न मिलने से उसकी मौत हो गई। इस दौरान आरोपी चालक अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकला। पुलिस का कहना है कि तलाश की जा रही है। पीड़ित परिवार की ओर से तहरीर मिलने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

बड़े पैमाने पर शुरू हुआ चकबंदी का काम, डीएम ने अधिकारियों को दिये निर्देश

संवाददाता–बहराइच। जिले के 11 ग्राम पंचायतों में चकबंदी कार्य शुरू हो गया है। इसकी समीक्षा के लिए कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक हुई। उच्च न्यायालय में लंबित मामलों को लेकर प्रभावी पैरवी करते हुए ग्रामीणों को राहत दिए जाने पर जोर दिया गया। जिलाधिकारी मोनिका रानी ने क्षेत्रवार प्रचलित चकबंदी वादों की जानकारी ली। निर्देश दिया कि न्यायालयों में चल रहे वादों में प्रभावी पैरवी करते हुए ठोस जवाब दाखिल किया जाए। कब्जा परिवर्तन के प्रकरणों में रस्म अदायगी न की जाए, अधिकारी स्वयं मौके पर उपस्थित रहकर कार्रवाई कराएं। डीएम ने निर्देश दिया कि सर्वे के अनुसार चकबंदी की कार्रवाई की जाए। बताया गया कि 11 ग्राम चकबंदी प्रकिया के तहत हैं। जिनमें मंझारा तौकली का क्षेत्रफल काफी बड़ा है। डीएम ने ग्राम मैकूपुरवा, उधरना ठकुराइन व लक्खारामपुर, मीरपुर कोनिया, बभनौटी उर्फ शहर गोलागंज की चक प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए। उच्च न्यायालय के आदेशों से प्रभावित गांवों बेलामकन, इमलियागंज व मनिकापुरकलां में प्रभावी पैरवी करने के निर्देश दिए। संचालन बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी सुखेंद्र सिंह ने किया। इस मौके पर चकबंदी अधिकारी अरविंद द्विवेदी, नकवी, सहायक चकबंदी अधिकारी राजेश कुमार सोनी, राम कुमार वर्मा, दीपेंद्र अवस्थी, गया प्रसाद, कौशल कुमार आदि मौजूद रहे।

बिना चिंता कराइए उपचार, हास्पिटल का पैसा देगी सरकार –सीएम योगी

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग करने पहुंचे से लोगों को आत्मीय भरोसा दिया कि वह बिना चिंता किए अच्छे से अच्छे अस्पताल में इलाज कराएं। उपचार में जो भी धनराशि खर्च होगी, उसकी व्यवस्था सरकार करेगी। सीएम योगी ने इस दौरान अफसरोंको निर्देशित किया कि जिन लोगों के पास आयुष्मान कार्ड नहीं है और उन्हें उपचार में आर्थिक सहायता की आवश्यकता है, उनके इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से पूरा कराकर शासन को उपलब्ध कराया जाए। हर जरूरतमंद को मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पर्याप्त सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार शाम विधानसभा उपचुनाव प्रचार करने के बाद गोरखपुर पहुंचे थे। गोरखनाथ मंदिर में रात्रि प्रवास के बाद सोमवार पूर्वाह्न झारखंड विधानसभा चुनाव के प्रचार के लिए रवाना होने से पहले उन्होंने प्रातःकाल गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में करीब 150 लोगों से मुलाकात की। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों से एक–एक करके समस्याएं सुनीं और निस्तारण के लिए आश्वस्त करते हुए उनके प्रार्थना पत्र संबंधित अधिकारियों को हस्तगत किए। उन्होंने सभी लोगों को आश्वस्त किया कि किसी को भी परेशान होने या घबराने होने की आवश्यकता नहीं है।

हर समस्या का समाधान कराया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जनता की समस्याओं पर पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता से ध्यान देकर उनका त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक निस्तारण कराएं ताकि किसी को भी परेशान न होना पड़े। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील रवैया अपनाया जाए और उसकी समस्या का समाधान कर उसे संतुष्ट किया जाए। इसमें किसी भी तरह की कोताही नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि कहीं कोई जमीन कब्जा या दबंगई कर रहा हो तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। पारिवारिक मामलों के निस्तारण में दोनों पक्षों को एकसाथ बैठाकर संवाद करने को प्राथमिकता दी जाए। जनता दर्शन में हर बार की तरह इस बार भी कई लोग गंभीर बीमारियों में इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने सभी को भरोसा दिया कि उनकी सरकार किसी भी जरूरतमंद के इलाज में धन की कमी को बाधक नहीं बनने देगी। विवेकाधीन कोष से मदद की जाएगी। इस दौरान एक महिला ने अपने परिजन का इलाज मेदांता अस्पताल में कराने के लिए अपनी आर्थिक तंगी का जिक्र किया। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उसे आत्मीय संबल देते हुए कहा, अस्पताल में भर्ती कराकर डॉक्टर से इस्टीमेट मंगवा लीजिए। परेशान होने की आवश्यकता नहीं है, उपचार का पैसा सरकार देगी। मुख्यमंत्री ने सभी से आयुष्मान कार्ड के बारे में पूछा और अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पात्र व्यक्ति का आयुष्मान कार्ड बनाया जाना सुनिश्चित किया जाए। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही। सोमवार प्रातःकाल गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन करने, अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर शीश नवाने के बाद वह मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए मंदिर की गोशाला में पहुंचे।

यहां उन्होंने कुछ समय बिताया और गोसेवा की। मुख्यमंत्री ने गोवंश को खूब दुलारने के बाद उन्हें गुड़ खिलाया और गोशाला के भी कार्यकर्ताओं को देखभाल के लिए जरूरी निर्देश दिए।

आरोग्य मेले में 202 मरीजों ने करवाया उपचार

संवाददाता–महराजगंज। नगर पंचायत बिस्कोहर व ग्राम पंचायत कठौतिया रामनाथ के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर रविवार को मुख्यमंत्री आरोग्य मेला का आयोजन किया गया। सुबह 10 बजे से ही मरीजों का पहुंचना शुरू हो गया था। आरोग्य मेले में सबसे ज्यादा मरीज खांसी, नजला, बुखार और एलर्जी के आए। इसके अलावा पेट में दर्द, जोड़ों में दर्द व शुगर के मरीज भी पहुंचे। दोनों स्वास्थ्य केंद्रों पर 202 मरीजों की जांच कर दवा दिया गया। बिस्कोहर पीएचसी पर संविदा आयुष डॉ. एससी शर्मा ने मरीजों की जांच की और फार्मासिस्ट राकेश बहादुर चौधरी ने मरीजों को दवा का वितरण किया गया। यहां पर दोपहर तीन बजे तक 168 मरीजों की जांच की गई। डॉक्टर ने बताया कि ज्यादातर मरीज जुकाम, खांसी के आए। स्वास्थ्य मेले में पहुंचे विद्या प्रकाश, अनुष्का, पार्वती, सलीमुननिशा, अब्दुल्ला, दमयंती ने बताया कि कई दिनों से बुखार के साथ हल्की खांसी आ रही है, उसकी दवाई ली है।

कठौतिया रामनाथ स्थित पीएचसी पर डॉ. राहुल कुमार ने मरीजों की जांच की। यहां पर करीब 34 मरीजों की जांच कर दवाई दी गई। इलाज कराने पहुंचे राम शंकर, मिनाज, करीमुल्ला, मनोज, तुलसीराम, इंद्रावती ने बताया कि उन्हें खांसी, नजला की परेशानी थी। इस दौरान फार्मासिस्ट त्रिशूल धर चतुर्वेदी, धीरज राय, राजू आदि मौजूद रहे।

डीएवी इंटर कॉलेज प्रबंध समिति की बड़ी कार्रवाई,15 आरोपों का समुचित जवाब न देने पर शिक्षक को किया बर्खास्त

संवाददाता–बलरामपुर। जिले के डीएवी इंटर कॉलेज के प्रबंधक संजय तिवारी ने एक विज्ञप्ति जारी कर अध्यापक को बर्खास्त किए जाने की पुष्टि की है। प्रबंधक ने बताया कि 22 सितंबर को हुई बैठक के बाद सहायक अध्यापक अशोक कुमार तिवारी को निलंबित कर दिया गया था। इनके खिलाफ लगे 15 आरोपो की जांच के लिए तीन सदस्य समिति गठित की गई थी। समिति ने सभी आरोपी की जांच कर 16 अक्टूबर को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत किया। जिसमें सभी आरोपी की पुष्टि हुई। इसके बाद 27 अक्टूबर को प्रबंध समिति की बैठक में अध्यापक को जांच आख्या की प्रति देते हुए 5 नवंबर तक स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का अंतिम अवसर दिया गया था। अध्यापक ने 4 नवंबर 2024 को अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया। इसके बाद रविवार 10 नवंबर को प्रबंध समिति की बैठक हुई जिसमें अध्यापक अशोक कुमार तिवारी पर लगे आरोपों की जांच रिपोर्ट तथा स्पष्टीकरण का अवलोकन करने के बाद पारित प्रस्ताव के तहत उनकी विद्यालय में सहायक अध्यापक (प्रशिक्षित) विज्ञान विषय पद की सेवा तत्काल प्रभाव से समाप्त करने का निर्णय लिया गया है। कॉलेज के प्रबंधक ने आरोपों के विषय में बताया कि अशोक कुमार तिवारी ने बिना किसी पूर्व अनुमति के जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय बलरामपुर में 2 सितंबर 2024 को धरना प्रदर्शन किया।

जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय बलरामपुर पर धरना प्रदर्शन के दौरान विद्यालय के वरिष्ठ लिपिक सुधांशु दूबे व सहायक लिपिक रवि मिश्रा से अभद्रता की। वेतन बिल व वेतन रजिस्टर छीनने व फाड़ने का प्रयास किया। अशोक कुमार तिवारी ने बिना किसी पूर्व सूचना व अनुमति के जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय बलरामपुर में 3 सितंबर 2024 को सुबह 9.30 बजे मुख्य गेट पर ताला लगा दिया। अधिकारियों और कर्मचारियों को कार्यालय में घण्टों घुसने नही दिया। सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाई। उन्होंने कहा कि बिना किसी स्वीकृत अवकाश के विद्यालय से अनुपस्थित पाये गये। 15 अगस्त 2024 कार्यक्रम के दौरान विद्यालय में छात्र छात्राओं को लाठी व प्रतिबन्धित धारदार हथियार बांटकर विद्यालय का शैक्षिक माहौल बिगाड़ने का काम किया। गोंडा जिले के विद्यालय में नियुक्ति तिथि 11 जुलाई 1991 के बाद भी अपने पूर्व विद्यालय सरस्वती शिशु मन्दिर बलरामपुर में शिक्षण कार्य किया। दोनों संस्थाओं से नियम विरूद्ध तरीके से 11 जुलाई 1991 से 30 सितम्बर 1991 तक का वेतन जानबूझकर दोनों संस्थाओं के साथ धोखा करते हुये कूटरचना करके प्राप्त किया। अशोक कुमार तिवारी ने शिक्षण कार्य में लापरवाही बरती अनुशासनहीनता कर्मचारी नियमावली और शिक्षक की गरिमा के विरुद्ध कार्य किया। लगातार विद्यालय विलम्ब से पहुंचते रहे। जिससे बच्चों का शिक्षण कार्य बाधित हुआ। तिवारी जनपद मुख्यालय छोड़ने का प्रार्थना पत्र दिये व अनुमति लिये बिना जनपद मुख्यालय से आये दिन बाहर जाते रहे। श्री तिवारी ने विद्यालय प्रबन्धक द्वारा जारी कारण बताओं नोटिस 12 अगस्त 2024, 27 अगस्त 2024, 04 सितंबर 2024, 18 सितंबर 2024 व जांच आख्या 16 अक्टूबर 2024 के सम्बन्ध में संतोष जनक जवाब नही दिया। अशोक तिवारी ने विद्यालय के दर्जनो छात्र छात्राओं का मोबाइल नम्बर नाम सहित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक व व्हाट्स अप पर बिना विद्यालय प्रशासन व छात्र छात्राओं व उनके अभिभावकों के अनुमति के पोस्ट किया। अशोक कुमार तिवारी के अनुपस्थित रहने के कारण बच्चों का विज्ञान विषय की कक्षाएं प्रभावित रहीं। इन्होंने शिक्षक नियमावली के विरूद्ध कार्य व आचरण किया एवं विद्यालय का साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने का कार्य किया। उन्होंने बताया कि इन्हीं आरोपों के चलते अशोक तिवारी को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है ।

नेहाल सिंह की हत्या में कई अन्य के शामिल होने की आशंका

संवाददाता–देवरिया। नेहाल सिंह की हत्या में कई अन्य के भी शामिल होने की आशंका हैं। इस हत्याकांड की साजिश में तीन हत्यारों के अलावा अन्य के भी शामिल होने की आशंका जतायी जा रही है। माना जा रहा है कि कुछ लोगों ने पर्दे के पीछे रहकर हत्या करायी है। उनके द्वारा सुरक्षित जगहों पर हत्यारों को पनाह दिलाने से ही वह पुलिस की पकड़ में नहीं आ रहे हैं। अभी तक पुलिस न तो घटना की वजह पता कर पाई है और न ही आरोपियों को गिरफ्तार कर सकी। परिजनों द्वारा दिया समय सामप्त होने पर पुलिस आरोपियों के परिजनों को उठाकर पूछताछ कर रही है। मदनपुर थाना के समोगर निवासी विश्वजीत उर्फ राजू सिंह शहर के मुंसफ कॉलोनी में मकान बनाकर रहते हैं। उनका बेटा निहाल सिंह (26) गुरूवार 7 नवंबर को बुलेट से अपने गांव से देवरिया आ रहा था। देवरिया–पकड़ी बरांव मार्ग पर जद्दू परसिया पेट्रोल पंप के पास करीब 11 बजे बाइक सवार तीन बदमाशों ने उसे गोली मार दी। उसे मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शुक्रवार को पोस्टमार्टम के समय आक्रोशित परिजनों ने सिविल लाइन रोड पर कचहरी शिव मंदिर सड़क जाम कर दिया। एएसपी उतरी दीपेंद्र नाथ चौधरी, एडीएम प्रशासन गौरव श्रीवास्तव व सदर सांसद शशांक मणि के आश्वासन पर व माने और पुलिस को नामजद तहरीर देते हुए तीनों आरोपियों को 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार करने का समय दिया था। मृतक के परिवार द्वारा दिया समय समाप्त होने पर पुलिस हत्यारोपियों के परिजनों को उठाकर गोपनीय जगह पर पूछताछ कर रही है। एक आरोपी के घर पर ताला लटक रहा है और परिजन फरार हैं। नेहाल सिंह की हत्या में अन्य के भी शामिल होने की आशंका है। उसकी हत्या के पीछे कोई बड़ा मामला या पुरानी खुन्नस माना जा रहा है। इस हत्याकांड की साजिश में तीन हत्यारों के अलावा अन्य के भी शामिल होने की आशंका जतायी जा रही है, जिनके इशारे पर हत्या की गयी। यहीं वजह है कि हत्यारे किसी महफूज जगह पर पहुंच गये हैं, जिससे पुलिस उन्हे गिरफ्तार नहीं कर पा रही है। सुरौली थानाध्यक्ष अनिल कुमार ने बताया कि हत्यारों की गिरफ्तारी को पुलिस छापेमारी कर रही है। कुछ संदिग्ध ठिकानों पर दबिश दी गई, लेकिन आरोपी वहां पर नहीं मिले। पुलिस आरोपी के परिजनों से पूछताछ कर रही है। शीघ्र ही आरोपी पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

नेहाल सिंह की मां गायत्री सिंह ने हत्याकांड की लीपापोती करने का आरोप लगाया है। उसने कहा कि पुलिस एक जनप्रतनिधि के इशारे पर कार्य रह रही है। पुलिस न्याय दिलाने की जगह उनके इशारे पर मामले की लीपापोती में जुटी हुई है। मां गायत्री सिंह का आरोप है कि हत्या के बाद पुलिस को नामजद तहरीर देने के बाद भी पुलिस एक भी आरोपी को पकड़ नहीं सकी है। आरोपी व उनके परिजन घर छोड़कर फरार है। उनके बेटे को प्रापटी डीलर बता दिया गया है, उसकी हत्या को प्रॉपटी डिलिंग से जोड़कर देखा जा रहा है। जबकि उनका बेटा कोई प्रॉपटी डीलर नहीं था, वह तो पढ़ाई कर रहा था। घटना को दूसरी तरफ मोड़ने को मनगढ़ंत अफवाह फैलाई जा रही है। उन्होंने पुलिस से बेटे के हत्यारोपियों को शीघ्र गिरफ्तार करने तथा इसकी साजिश में शामिल अन्य लोगों को बेनकाब करने की मांग की है।

गायत्री मंत्र से मिट जाता है जन्म–जन्मांतर का पाप– आचार्य अरुण शुक्ल

–भारतीय बस्ती संवाददाता– कलवारी, (बस्ती)। विकास क्षेत्र बहादुरपुर के कनैला में स्थित सत्येश्वर नाथ धाम में गायत्री परिवार द्वारा आचार्य दिनकर जी के अगुआई में विश्व शांति हेतु 7 दिवसीय पवन प्रज्ञा पुराण संगीतमयी कथा एवं पंचकुंडीय राष्ट्र जागरण गायत्री महायज्ञ व प्रतिभा सम्मान समारोह के दूसरे दिन सोमवार को कथा को आगे बढ़ते हुए कथा व्यास कथा व्यास आचार्य अरुण शुक्ल ने कहा कि कलयुग में गायत्री ही कामधेनू है। जीवन को ऊंचा उठाने वाली विद्या का नाम गायत्री है। गायत्री ज्ञान की देवी है। जीवन में कुछ प्राप्त करने के लिए मनुष्य को गायत्री के शरण में जाना चाहिए। गायत्री जाप करने से हमारे जन्म–जन्मांतर का पाप धुल जाता है। समस्त समस्याओं का निदान गायत्री है। इसके जाप से मनुष्य के अंदर की नाकारात्मक उर्जा चली जाएगी और साकारात्मक उर्जा का समावेश होता चला जाएगा साथ ही जीवन की दशा बदल जाएगी।

कथा को आगे बढ़ते हुए कहा कि पहले हमें यह जानना चाहिए कि मनुष्य की वास्तविक संपत्ति क्या है। तब उसे ढूंढने का प्रयत्ध्न करें। उन्होंने कहा कि वास्तविक संपत्ति, वास्तविक संसाधन हमारा शरीर और मन है। शरीर स्वस्थ नहीं रहने से या तो हम अस्पताल में या घर के किसी कोने में दुबके रहेंगे। हम अपनी वास्तविक संपत्ति स्वयं हैं, उसे विकसित करने के लिए प्रकृति और परमात्मा के सहचर्य में रहे। जो हमने सीख उसे दूसरों तक पहुंचाये। उन्होंने कहा कि ध्यान मन का स्नान है। जैसे शरीर में मैल लगता है उसके लिए स्नान की व्यवस्था है, उसी प्रकार ध्यान मन का स्नान है। परंतु बैठा, मन, चिंतित मन, परेशान मन कैसे ध्यान करेगा। इसके लिए हमें अपने आहार– व्यवहार व जीवनशैली में सुधार लाना होगा।

इस दौरान मुख्यरूप से मंगलदेव शुक्ल, उर्मिला शुक्ल, विद्यावती सिंह, परमात्मा शर्मा, राम प्रकाश वर्मा, अविनाश कुमार, चंद्रिका सिंह, पवन कुमार सिंह, रमेश पाण्डेय, राकेश सिंह, पंकज सिंह, वृजेश सिंह, राम ललित चौधरी, निर्भय सिंह, राम अवतार के साथ ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

आदमखोर नर–मादा भेड़ियों में बढ़ेगी नजदीकी अब रहेंगे एक साथ बाड़े में

संवाददाता–गोरखपुर। बहराइच से रेस्क्यू कर गोरखपुर चिड़ियाघर लाए गए आदमखोर नर और मादा भेड़िए का व्यवहार अब पूरी तरह बदल चुका है। एकांत वातावरण और भरपेट भोजन मिला तो दोनों भेड़िए शांत हो गए। अब दोनों एक–दूसरे को सामने रखकर उनके बीच नजदीकियां बढ़ाने की तैयारी है। शहीद अशफाक उल्ला खां प्राणि उद्यान (चिड़ियाघर) में भेड़िए का बाड़ा शुरुआत से ही खाली है। चिड़ियाघर प्रबंधन काफी समय से भेड़िया लाने का प्रयास कर रहा था, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसी बीच अगस्त में बहराइच के गांवों में आदमखोर भेड़ियों का उत्पात शुरू हो गया। उन्होंने इंसानों पर भी हमला कर दिया। इसके बाद 29 अगस्त को नर और 10 सितंबर को मादा भेड़िया को रेस्क्यू कर चिड़ियाघर के नाइट सेल में रखा गया। इंसानों पर हमला करने की वजह से इनको दोबारा जंगल में छोड़ा नहीं जा सकता, क्योंकि ये दोबारा हमलावर हो सकते हैं। दोनों भेड़िए अगल–बगल के सेल में हैं, लेकिन एक–दूसरे को देख नहीं सकते। चिड़ियाघर प्रबंधन अब दोनों सेल के बीच एक खिड़की खोलने जा रहा है, ताकि दोनों एक–दूसरे का दीदार कर सकें और इनमें दोस्ती बढ़ सके। रेस्क्यू सेंटर में दोनों भेड़ियों के व्यवहार में काफी परिवर्तन आ गया है। उनकी आक्रामकता कम हो गई है। इसको देखते हुए चिड़ियाघर प्रबंधन उनको मुख्य बाड़े में लाने पर विचार कर रहा है। यहां रखने पर उनको दर्शक भी देख सकेंगे। चिड़ियाघर के मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. योगेश प्रताप सिंह ने बताया कि दोनों भेड़िए पूरी तरह स्वस्थ हैं।

वह अपनी डाइट के अनुसार भोजन कर रहे हैं। उनका व्यवहार भी काफी शांत हो चुका है। इसको देखते हुए उन्हें मुख्य बाड़े में लाने पर विचार किया जा रहा है। दोनों एक–दूसरे को देख सकें, इसके लिए उनके सेल के बीच एक खिड़की खोली जाएगी।

पुलिस खर्च 10 हजार रुपये, गिरफ्तारी और लड़की बरामदगी के 20 हजार

संवाददाता–संतकबीरनगर। किसी मामले में आरोपी की गिरफ्तारी के 10 हजार और लड़की के चले जाने पर उसे बरामद कर लाने और बयान कराने का खर्च 15 से 20 हजार रुपये है। धर्मसिंहवा थाने के वालंटियर व्हाट्सएप ग्रुप में ऐसी अन्य कार्रवाई के भी पुलिस खर्च की सूची किसी प्रमोद यादव के नाम से डाली गई। व्हाट्सएप ग्रुप से पुलिस खर्च की इस सूची का स्क्रीनशॉट वायरल हो रहा है। हालांकि, अमर उजाला इस वायरल स्क्रीनशॉट की पुष्टि नहीं करता। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच कराई जा रही है।

PS Dharmsingwa dv sa...
Barakat, Neharu, +91 73553 8753...

– Pramod Yadav +91 88405 97993
Forwarded many times
पुलिस खर्चा

500 बयान कराने व अवलोकन के।
500 रुपये वारंट बनवाने के।
5000 सी ए दाखिल हाई कोर्ट।
15000-20000 लड़की चले जाने पर उसको लाने व बयान कराने के।
5000 पेट्रोल खर्चा।
500 अभियोजन अनुमति।
10000 अभियुक्त पकड़ने व रिमांड अन्य।
500 रुपये कोर्ट से फाइल निकल वाने मे।
1000 बेल लिखवाने के।
200 cs व FR दाखिल करवाने मे।
2500 गाय मर जाये उसको दबाने के लिए ।
5000 लावारिस शव के लिए।

धर्मसिंहवा थाने के वालंटियर व्हाट्सएप ग्रुप में क्षेत्र के तमाम जागरूक और गणमान्य लोग शामिल हैं। रविवार को इस ग्रुप के एक संदेश का स्क्रीनशॉट वायरल हुआ जो चर्चा का विषय बन गया। संदेश में पुलिस खर्च के नाम से एक सूची दी गई है, जिसमें वारंट बनवाने का खर्च पांच सौ रुपये साथ ही बयान और अवलोकन का खर्च भी पांच सौ रुपये बताया गया है। लावारिश शव के मामले में खर्च पांच हजार रुपये बताया गया है। पोस्टमार्टम के लिए शव ले जाने और लाने का खर्च तीन हजार रुपये बताया गया है। इसके साथ ही गाय मर जाने पर उसे दबाने का खर्च ढाई हजार रुपये दर्ज है। इसी तरह अभियोजन अनुमति, बेल लिखवाने, गुमशुदगी अखबार में छपवाने समेत अन्य कई काईवाई के खर्च भी सूची में बताए गए हैं।

थाने के वालंटियर व्हाट्सएप ग्रुप में यह संदेश किसने डाला इस पर पुलिस अधिकारी फिलहाल अनभिज्ञता जाहिर कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ पुलिस खर्चा नाम से डाले गए संदेश में विभिन्न खर्चों की सूची दी गई है लेकिन यह खर्च कौन करता है इसका कोई जिक्र नहीं है। एसओ पूनम मौर्य ने बताया कि वालंटियर ग्रुप में पुलिस कर्मियों के साथ ही बाहरी लोग भी जुड़े हुए है। यह मैसेज किसने डाला इसकी जांच की जा रही है।

केशवनाथ, सीओ, मेंहदावल ने बताया किधर्मसिंहवा थाने के वालंटियर व्हाट्सएप ग्रुप में मैसेज डाले जाने की सूचना मिली है। संदेश किसने और क्यों डाला है इसकी जांच कराई जा रही है।

रामकोला चीनी मिल से गोरखपुर–बस्ती मण्डल में पेराई सत्र का आगाज

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर–बस्ती मण्डल में गन्ना पेराई सत्र 2024–25 की शुरूआत सोमवार को कुशीनगर जनपद के रामकोला स्थित त्रिवेणी मिल ने डोगा पूजन के साथ कर दिया। 27 नवंबर तक गोरखपुर और बस्ती मण्डल के दोनों मण्डल की शेष 10 चीनी मिलों में भी 27 नवम्बर तक पेराई सत्र का शुभारभ हो जाएगा। ताकि किसान समय से गेहूं की बुआई कर सकें।

वर्तमान में गोरखपुर और देवरिया परिक्षेत्र में वर्तमान में 10 चीनी मिले संचालित हैं। लिहाजा किसान भाई गन्ना की खेती भी करते हैं। कम लागत में अधिक लाभ लेने के लिए एक बार बोए गन्ना की फसल काट लेने के बाद उसी से दूसरी फसल लेते हैं, यह प्रक्रिया पेड़ी या मोढ़ी गन्ना कहलाती है। लेकिन यह फसल जल्द खेतों से कट कर पेराई के लिए नहीं गई तो गेहूं की बुआई प्रभावित हो जाती है। किसानों की इन्हीं मुश्किलों का ध्यान रखते हुए सरकार जल्द से जल्द चीनी मिलों का पेराई सत्र शुरू कराने पर जोर दे रही है। महराजगंज सिसवा बाजार की आईपीएल की चीनी मिल 18 नवम्बर से, बस्ती बभनान की बलरामपुर चीनी मिल 20 नवंबर, रुधौली की बजाज चीनी मिल 27 नवंबर और मुण्डेरवा की कॉरपोरेशन की चीनी मिल में 25 नवम्बर को डोगा पूजन होगा। कॉरपोरेशन की ही गोरखपुर की पिपराइच चीनी मिल में भी 21 नवंबर को डोगा पूजन होगा। देवरिया परिक्षेत्र में कुशीनगर जनपद की चार चीनी मिलों में रामकोला की त्रिवेणी मिल में सोमवार से पेराई सत्र का शुभारंभ हो गया, वहीं हाटा की बिरला चीनी मिल 17 नवंबर, सेवरही चीनी मिल 22 नवम्बर से और खड्डा की आईपीएल चीनी मिल में 15 नवम्बर को डोगा पूजन के साथ पेराई सत्र का शुभारंभ होगा। देवरिया जनपद के प्रतापपुर स्थित बजाज की चीनी मिल में डोगा पूजन 24 नवम्बर को होगा। दोनों मण्डलों में संचालित होने वाली सभी 10 चीनी मिलों में मरम्मत का काम पूरा किया जा चुका है। बकायदा मिल हाउस, ब्वॉयलिंग हाउस और पावर हाउस की रोस्टर बना कर मरम्मत कराई गई। इसके अलावा बॉयलर का मरम्मत करा कर उसमें अग्नि प्रवेश की तिथि भी निर्धारित की गई। 15 नवंबर तक चीनी मिलों के बॉयलर हाउस में अग्नि प्रवेश की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।

ऊषा पाल, उप गन्ना आयुक्त गोरखपुर परिक्षेत्र ने बताया कि ''गोरखपुर–बस्ती मण्डल की सभी चीनी मिले पेराई सत्र आरंभ के लिए तैयार हैं। 27 नवंबर तक सभी दस चीनी मिलों में गन्ना पेराई शुरू हो जाएगी। प्राथमिकता के आधार गन्ना की पेड़ी फसल की पेराई होगी ताकि किसान भाई गेहूं की समय से बुआई कर सकें।

कच्ची जहरीली शराब पकड़ने में ड्रोन बना मददगार

संवाददाता–बहराइच। कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के कतर्निया के सुरम्य घने जंगल के बीच जहरीली शराब बनाने की सूचना आबकारी विभाग को मिली थी। आबकारी महकमे की टीम ने इलाके में तलाशी मुहिम छेड़ी, पता नहीं चलने पर ड्रोन की सहायता से जगह का पता लगाकर दबिश दी गई। मौके से शराब बनाने के उपकरण व तैयार गर्म खौलती शराब बरामद किया है। वहीं छापेमारी के दौरान उसे बनाने वाले लोग मौके से फरार हो गए। आबकारी महकमे के जिला आबकारी अधिकारी सुधांशु सिंह को कतर्नियाघाट घने जंगल में काफी दिनों से जहरीली शराब बनाए जाने की सूचना मिल रही थी। कई बार शराब को पकड़ने के लिए अभियान चलाए जाने पर आरोपी पकड़ में नहीं आ सके, और न ही कच्ची शराब की बरामदगी हुई। जिला

सीएम योगी सपा और पीडीए से डरे हुए हैं, इसलिए दे रहे बेतुके बयान –अवधेश प्रसाद

संवाददाता–अयोध्या। उत्तर प्रदेश में इन दिनों उपचुनाव को लेकर सरगर्मियां तेज हैं। इसको लेकर अयोध्या से सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने योगी सरकार को निशाने पर लिया है। उन्होंने कहा कि सीएम योगी आदित्यनाथ सपा और पीडीए से काफी डरे हुए हैं। उन्हें यह नहीं सूझ रहा कि वह सपा पर क्या बयान दें? कहा कि सच्चाई यह है कि बाबा साहब अंबेडकर के संविधान में मौलिक अधिकार दिए गए हैं। भाजपा संविधान के प्रावधानों को खत्म करने की मंशा रखती है। उसकी वह मंशा सफल नहीं होगी। शायद इसीलिए सीएम बेतुकी बयानबाजी कर रहे हैं। प्रदेश में सिर्फ सपा और पीडीए ही है, जो जनता के मुद्दों के साथ प्रदेश और देश के विकास के बारे में सोचती है। उनके पास इस बारे में सोचने की नीयत नहीं है। कहा कि मैं उनसे आग्रह करता हूं कि वह एक मुख्यमंत्री और एक साधु के आचरण का पालन करते हुए बयान दें।

भाजपा के सांगठनिक चुनाव की तैयारियों को लेकर कार्यशाला आयोजित

संवाददाता–अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में रविवार को भाजपा विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक और चुनाव अधिकारी रणजीत सिंह कुशवाहा पहुंचे। यहां उन्होंने कहा कि भाजपा एकमात्र ऐसी पार्टी है, जिसमें बूथ समिति से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष तक का चुनाव होता है। पार्टी में पूर्ण आंतरिक लोकतंत्र है। पार्टी का छोटा कार्यकर्ता भी अपने समर्पण से उच्च पदों तक पहुंच सकता है। जबकि सपा, कांग्रेस व बसपा में कोई लोकतंत्र नहीं है। इनमें तय है कि एक ही परिवार का सदस्य पार्टी का अध्यक्ष होगा।

प्रदेश सह संयोजक भाजपा के सांगठनिक चुनाव की तैयारियों को लेकर पार्टी कार्यालय पर जिले के पदाधिकारियों व कार्यकताओं की कार्यशाला में बोल रहे थे। जिलाध्यक्ष संजीव सिंह ने बताया कि सदस्यता अभियान के दूसरे चरण में बूथ समिति, बूथ अध्यक्ष और पन्ना प्रमुख का चुनाव होगा। यह चुनाव 30 नवंबर तक पूरे हो जाएंगे। बूथ समिति के पदाधिकारियों के चुनाव के बाद मंडल व जिले का चुनाव होगा। पार्टी में सांगठनिक चुनाव लोकतांत्रिक होता है। बैठक में जिले के सभी 20 मंडलों के चुनाव अधिकारी नियुक्त किए गए। रुदौली विधानसभा क्षेत्र के बाबा बाजार में सरयू दुबे, मवई सर्वजीत सिंह, रुदौली देहात चंद्रबली सिंह, रुदौली नगर जनार्दन मौर्य व शुजागंज का ऋषिकेश वर्मा को मंडल चुनाव अधिकारी बनाया गया है। मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र के अमानीगंज मंडल में शिवगोविंद पांडेय, हैरिंग्टनगंज अखंड प्रताप सिंह, कुचेरा मंडल विजय लक्ष्मी जायसवाल, मिल्कीपुर शिवम सिंह व कुमारगंज के अशोक कसौधन मंडल चुनाव अधिकारी होंगे। बीकापुर विधानसभा क्षेत्र के सोहावल पश्चिमी दान बहादुर सिंह, सोहावल पूर्वी राधेश्याम त्यागी, भरतकुंड किशोरी लाल भारती, रानी बाजार धर्मेंद्र सिंह, बीकापुर राघवेंद्र पांडेय मंडल चुनाव अधिकारी होंगे। गोसाईगंज विधानसभा क्षेत्र के तारुन मंडल में विजय बहादुर तिवारी, हैदरगंज मंडल सुनील मिश्र, चौरे बाजार कृष्ण कुमार पांडेय खुन्नू, मया बबलू पासी व गोसाईगंज मंडल का भूपेंद्र सिंह को चुनाव अधिकारी बनाया गया है।

बैठक में पूर्व सांसद लल्लू सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह, विधायक अमित सिंह चौहान, पूर्व विधायक गोरखनाथ बाबा, पूर्व जिलाध्यक्ष कमला शंकर पांडेय, अवधेश पांडेय बादल, सह चुनाव अधिकारी अशोक मिश्र, कृष्ण कुमार पांडेय खुन्नू, डॉ. विजय लक्ष्मी जायसवाल, सरजू दुबे व राम मोहन भारती सहित मोर्चा व मंडल के पदाधिकारी मौजूद रहे।

श्री राम कथा अमृत के समान है महामंडलेश्वर नरसिंह दास

–भारतीय बस्ती संवाददाता– अयोध्या। कार्तिक परिक्रमा मेला के अवसर पर विश्व विराट विजय राघव मंदिर में सिद्ध बाबा महामंडलेश्वर नरसिंह दास जी महाराज ने श्री राम कथा सुन कर उपस्थित भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया। महाराज जी ने भगवान श्री राम के चरित्र को सुनते हुए कहा कि श्री राम कथा अमृत के समान है और एक बार जो इसका पान कर लेता है बार–बार सुनने इच्छा उसकी जागृत होती है। उन्होंने कहा की कथा तो कहीं भी कभी भी सुनी जा सकती है लेकिन कार्तिक मास हो और अवध धाम हो उसमें प्रभु श्री राम की कथा अगर सुनी जाए तो उसका फल कई गुना बढ़ जाता हैं। उन्होंने कहा कथा के श्रवण के साथ–साथ उसको अपने जीवन में उतारना चाहिए और काम क्रोध लोभ से मुक्त हो जाना चाहिए। श्री महाराज जी ने कहा कि यह वही अवध धाम है जहां भगवान का जन्म हुआ कार्तिक मास चल रहा है हजारों श्रद्धालु कल्पवास कर रहे हैं ऐसे में विश्व विराट विजय राघव में यह अमृत कथा लोगों को धन्य कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि भगवान श्री राम का जन्म इसी अयोध्या में हुआ था जहां हम लोगों को वास करने का अवसर उन्हें की कृपा से प्राप्त हो रहा है। श्री महाराज जी ने कहा कि अवध धाम में एक निमिष अगर व्यक्ति रहता है और एक बार भी राम नाम ले लेता है तो उसके जन्म–जन्मांतर के पाप नष्ट हो जाते हैं, इस धरती की सरयू मैया की इतनी महिमा है। इस अवसर पर श्री महाराज जी के शिष्य महामंडलेश्वर महावीर दास ने ने आरती उतारी और प्रसाद वितरण किया गया। महावीर दास जी महाराज गुरुदेव भगवान की कथा कार्तिक मास और भगवान के जन्म के समय चौत्र रामनवमी में होती है जिसका लाभ लाखों भक्तों को होता हैं।

सुबह के समय दिखने लगा है ठण्ड का असर

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में धीरे–धीरे करके ठंडक ने दस्तक देना शुरू कर दिया है। न्यूनतम तापमान भी 15 डिग्री सेल्सियस के पास ठहरा हुआ है। अधिकतम तापमान भी गिरकर 30 डिग्री सेल्सियस के नीचे आ गया है। मौसम में लगातार हो रहे बदलाव की वजह से लोगों की तबीयत भी खराब हो रही है। कारण दिन के समय लोग हल्का कपड़ा पहनकर बाहर निकल जा रहे हैं और शाम को देर होने पर ठंडक लग जा रही है । इसकी वजह से लोगों को जुखाम–बुखार जैसी बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। जिला चिकित्सालय के फिजिशियन डॉक्टर रमाशंकर सिंह ने बताया कि बदलते हुए मौसम में लोगों को बेहद सावधान रहने की जरूरत है। बच्चे हो या बड़े ठंडक सभी को प्रभावित कर रही है। इस समय औसत तापमान 22–23 डिग्री सेल्सियस के आसपास है। इस प्रकार का तापमान रबी की खेती के लिए बेहतर माना जाता है। रबी की बुवाई का समय चल रहा है। किसान भी तेजी के साथ गेहूं, चना, मटर, मसूर की बुवाई कर रहे हैं। नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक डॉक्टर अमरनाथ मिश्र ने बताया कि आगामी 24 घंटे के दौरान मौसम शुष्क रहेगा।

कार्यालय नगर पंचायत नगर बाजार, जनपद–बस्ती।

निविदा दर आमंत्रण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आगामी शीत लहर में शीत लहर के प्रकोप से बचाव के लिए सार्वजनिक स्थानों व चौराहों पर अलाव जलाने हेतु सूखी जलौनी लकड़ी की आपूर्ति लिए जाने सम्बन्धी निविदा दर दिनाक 26/11/2024 के अपरान्ह 300 बजे तक आमंत्रित की जाती है. प्राप्त निविदाये उसी दिन अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय कक्ष में निविदादाताओं या उनके प्रतिनिधि के उपस्थिति में साय 4:00 बजे खोली जायेगी। उक्त कार्य सम्बन्धी निविदा प्रपत्र नगर पंचायत कार्यालय द्वारा निर्धारित शुल्क जमा करते हुए दिनांक 16/11/2024 को सायं 5:00 बजे तक नगर पंचायत कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। निविदादाता द्वारा निविदा प्रपत्र के साथ जमानत स्वरूप रू0–10,000.00 का राष्ट्रीयकृत बैंक का एफ०डी०आर० जो अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत नगर बाजार बस्ती के पक्ष में बंधक कर जमा करना अनिवार्य होगा। निविदा दर स्वीकृति उपरान्त आवश्यकतानुसार जलौनी लकड़ी की आपूर्ति ली जायेगी। जिसको आपूर्तिकर्ता द्वारा कार्यालय नगर पंचायत नगर बाजार बस्ती तक पहुंचाना होगा जिसके लिए कोई कैरियर चार्ज अतिरिक्त देय नहीं होगा। नगर पचायत द्वारा निर्धारित नियम व शर्तो की विस्तृत जानकारी किसी भी कार्य दिवस में उपस्थित होकर प्राप्त किया जा सकता है। बिना कारण बतायें आंशिक या सम्पूर्ण निविदा निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा।

अधिशाषी अधिकारी	**नीलम सिंह**
नगर पंचायत नगर बाजार बस्ती।	अध्यक्ष नगर पंचायत नगर बाजार बस्ती।

कार्यालय नगर पंचायत नगर बाजार बस्ती

पत्र संख्या 306(2)/न0पं0न0बा0/2024–25 दिनांक 11–11–2024

कार्यालय नगर पंचायत नगर बाजार, जनपद–बस्ती।

ई–निविदा सूचना

एतदद्वारा समस्त ठेकेदारों को सूचित किया जाता है, कि नगर पंचायत नगर बाजार बस्ती में राज्य वित्त आयोग योजना के अन्तर्गत नगर पंचायत नगर बाजार के विभिन्न वार्डों के लिए सूचनात्मक बोर्ड क्रय किया जाना है. जिसके लिए आनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य से सम्बन्धित निविदा प्रपत्र बेवसाइट http //etender.up.nic.in पर उपलब्ध होगा। बेवसाइट पर उपलब्ध निविदा नोटिस में धरोहर धनराशि, निविदा डालने की तिथि, समय कार्य करने की अवधि एवं निविदा लागत तथा निविदा के विस्तृत नियम एवं शर्तों का उल्लेख है, कार्य का विवरण निम्नलिखित है–

ई–निविदा (टेक्निकल एवं फाइनेन्शियल) निम्नलिखित विवरण के अनुसार वेबसाइट http://etender. up.nic.in पर आनलाइन के माध्यम से आमत्रित की जाती है। ई–निविदा के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी कार्यालय नगर पंचायत नगर बाजार बस्ती से कार्यालय समय एवं कार्य दिवस पर की जा सकती है।

क्रमांक	वेबसाइट पर ई–निविदा प्रकाशन की तिथि व समय	तिथि	समय
1	ई–निविदा डाउनलोड की प्रारम्भ तिथि / समय	12–11–24	13:00 बजे
2	ई–निविदा अपलोड की प्रारम्भ तिथि / समय	12–11–24	13:00 बजे
3	ई–निविदा अपलोड की अंतिम तिथि / समय	03–12–24	13:00 बजे
4	ई–निविदा खोलने की तिथि / समय	03–12–24	14:00 बजे

अधिशाषी अधिकारी	**नीलम सिंह**
नगर पंचायत नगर बाजार बस्ती।	अध्यक्ष नगर पंचायत नगर बाजार बस्ती।

पत्र संख्या 304(2)/न0पं0न0बा0/2024–25 दिनांक 11–11–2024

केशव कुटी में जन्मेजय शरण महाराज ने किया श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ,

–भारतीय बस्ती संवाददाता– अयोध्या। अक्षय नवमी के अवसर पर श्री अवध धाम के जानकी घाट मोहल्ले में स्थित केशव कुटी मंदिर में मंदिर के पीठाधीश्वर महंत रामायणी रामदास दयालू महाराज के प्रेरणा से सप्त दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा शुभारंभ जानकी घाट बड़ा स्थान पीठ आदिश्वर महंत जन्मेजय शरण के आशीर्वचन से हुआ। जन्मेजय शरण महाराज ने व्यास पीठ पर विरजमान युवा आचार्य सत्यम महराज को आशीर्वचन देते हुए कहा कि अवध धाम में श्रीमद् भागवत कथा वक्त और श्रोता दोनों का कल्याण करती है इसलिए दोनों भाग्यशाली हैं जो अवध धाम में कथा कहने और सुनने का अवसर कार्तिक मास में प्रभु श्री राम ने दिया। निश्चित ही दयालु महराज भी भाग्यशाली है क्योंकि उनके आश्रम पर श्रीमद्भागवत कथा हो रही है। महाराज श्री का स्वागत कथा के मुख्य यजमान हरीश पांडेय ने किया।

भागवत कथा के शुभारंभ अवसर पर व्यास पीठ से आचार्य सत्यम महराज ने श्रीमद् भागवत के महात्मा का वर्णन करते हुए कहा कि श्रीमद् भागवत शास्त्र नहीं महा शास्त्र है और जब भगवान की कृपा होती है,तब मनुष्य श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण कर पता है और जब भी परमात्मा का गुणानुवाद इस पृथ्वी पर होता है या परमात्मा स्वयं आकर यहां पर तरह–तरह की लीलाएं करते हैं तो देवतागण भी पृथ्वी पर जन्म लेने के लिए लालायित रहते हैं। भागवत पुराण कथा को श्रवण करने वाले भक्त निश्चित रूप से मोक्ष को प्राप्त कर लेते हैं। जिस प्रकार राजा परीक्षित श्राप से मुक्त हो गए, अनेकानेक राक्षस और पापी भी उस परमात्मा की कृपा से मुक्ति पा गए। सभी पुराणों और ग्रंथों में महापुराण की संज्ञा पानें वाला श्रीमद्भागवत महापुराण, साक्षात भगवान योग योगेश्वर श्री कृष्ण का स्वरूप है। इसलिए हम यह कह सकते हैं कि कलयुग में पुराण के रूप में हमारे पास भगवान कृष्ण साक्षात विराजमान है और इस पुराण की जितनी महिमा कही जाए उतना काम ही होगा। कथा की विश्राम बेला पर मुख्य मुख्य यजमान हरीश पांडेय अपने परिवार के साथ आरती उतारी और उपस्थित भक्ति श्रोता जनों में प्रसाद वितरण किया गया।

देवोत्थानी एकादशी पर होंगे विविध आयोजन

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में मंगलवार को पड़ने वाली कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की एकादशी पर विविध कार्यक्रम आयोजित होंगे। इसी दिन भगवान विष्णु चार माह की योग निद्रा से जागते हैं, इसलिए इसे लोग देवोत्थानी एकादशी भी कहते हैं। लोगों की ऐसी मान्यता है कि इस दिन पूजा करने से लोगों को उसका दोगुना फल मिलता है। इसी के साथ शादी विवाह के शुभ कार्यक्रम शुरू हो जाएंगे। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार इसी दिन शालिग्राम भगवान का तुलसी से विवाह होता है। इसके साथ ही शुभ मूहूर्त व शादी विवाह लग्न की शुरुआत हो जाती है। इस बार लग्न की शुरुआत उसी दिन मंगलवार से ही हो जा रही है। ऐसा मानना है कि जिस परिवार में बेटियां नहीं होती हैं वे लोग तुलसी विवाह करते हैं। आचार्य पंडित ओमप्रकाश त्रिपाठी के अनुसार एकादशी 11 नवम्बर सोमवार को शाम के 6.46 बजे प्रारंभ होकर मंगलवार 4.04 बजे शाम तक रहेगी। सूर्य उदय तिथि मंगलवार यानि 12 नवम्बर को पड़ने से एकादशी व्रत इसी दिन किया जा सकता है। इस बार तुलसी विवाह 12 नवम्बर को है।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0– 10125/2024
धारा 116 उ0प्र0रा0सं0 2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय हरैया जिला–बस्ती

राजेश
बनाम
श्रीमती गंगोत्री आदि

बावत गाटा सं0–188/0.063 हे0
1. श्रीमती गंगोत्री देवी पत्नी रामबहाल ग्राम कुचेला तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हरैया जिला–बस्ती
2. लक्ष्मी देवी पत्नी दीनानाथ ग्राम मुरादीपुर वार्ड नं06 मनोरमा नगर नगर पंचायत हरैया तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हरैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 19–11–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 19 माह 11 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0– /2023
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय बांसी जिला– सिद्धार्थनगर

दशरथ
बनाम
रामपति आदि

1. रामपति 2. सम्पति 3. राजपति 4. श्रीपति पुत्रगण अवधू साकिन भलुहा तप्पा असनार परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला–सिद्धार्थनगर
5. रीमा पत्नी राजकुमार साकिन डड़वाकोदईजोत हाल मुकाम भलुहा तप्पा असनार परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला–सिद्धार्थनगर
–प्रतिवादीगण प्रथम पक्ष
6. ग्राम पंचायत भलुहा द्वारा ग्राम प्रधान ग्राम पंचायत भलुहा तप्पा असनार परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला–सिद्धार्थनगर
–प्रतिवादी द्वितीय पक्ष

तारीख पेशी 18–11–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 18 माह 11 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

कॅरियर काउंसलिंग फेयर का जिले के सभी माध्यमिक विद्यालयों में होगा लाइव प्रसारण

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। केंद्रीय विद्यालय में 19 नवंबर को आयोजित होने वाले कॅरियर काउंसलिंग फेयर में एक हजार छात्र–छात्राओं को कॅरियर की राह दिखाई जाएगी। भारत के बड़े शिक्षण संस्थानों के विशेषज्ञ कक्षा 10 व 12वीं के छात्र–छात्राओं को बताएंगे कि उन्हें किस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए क्या करना चाहिए। इस कार्यक्रम में जहां 20 संस्थाओं के स्टाल लगाए जाएंगे, वही जिले के सभी माध्यमिक विद्यालयों में एलईडी के जरिए लाइव प्रसारण दिखाया जाएगा। शहर में स्थित पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय में 19 नवंबर की सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक कार्यक्रम होगा।

इस कार्यक्रम में देश के प्रमुख शिक्षण संस्थानों के विशेषज्ञों के साथ कई आईएएस एवं आईपीएस भी टिप्स देंगे। डीआईओएस सोमारू प्रधान ने बताया कि छात्र–छात्राएं अलग–अलग क्षेत्र में कॅरियर बनाना चाहते हैं, लेकिन सभी छात्र–छात्राओं को शुरुआती दौर में सही जानकारी नहीं मिल पाती है। कॅरियर फेयर में पेशेवर शिक्षा व प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की जानकारी दी जाएगी।

तहसील विभाजन के पत्र पर अधिवक्ता आक्रोशित, प्रदर्शन

संवाददाता–गोंडा। तरबगंज तहसील विभाजन को लेकर विधायक मनकापुर ने राजस्व परिषद को पत्र लिखा है। जिसको लेकर आक्रोशित अधिवक्ताओं ने प्रदर्शन कर सोमवार को कार्य बहिष्कार कर एसडीएम को ज्ञापन भी दिया है। एसडीएम विशाल कुमार से तहसील विभाजन के लिए राजस्व परिषद ने प्रस्ताव मांगा है। जिसको लेकर तहसील के अधिवक्ता काफी आक्रोशित हैं। प्रदर्शन और कार्य बहिष्कार से सोमवार को कोई भी न्यायालय नहीं चल सका।

गुमशुदगी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है प्रार्थी नरसिंह यादव पुत्र श्रीराम ग्राम– परसा कुतुब पोस्ट– धोषण थाना–सोनहा तहसील भानपुर जनपद बस्ती का निवासी है। मेरे चाचा श्री राम सजीवन पुत्र श्री मोल्हू विगत 5 वर्षो से लापता हैं। काफी खोज बीन के बाद भी उनके बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी है। यदि किसी को श्री राम सजीवन के बारे में कोई जानकारी हो तो उपलब्ध कराकर सहयोग करें।

दैनिक भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com